डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 82 | पेज: 8 | जयपुर, शनिवार, 01 मार्च 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

तमिल न बोल पाने के लिए जनता से माफी मांगता हूं

अमित शाह बोले-यह दुनिया की सबसे पुरानी भाषा है

कोयंबटूर (एजेंसी)। तमिलनाडु में ट्राई लैंग्वेज पॉलिसी पर जारी विवाद के बीच गृह मंत्री अमित शाह का एक बयान सामने आया है। शाह बुधवार को कोयंबटूर में ईशा फाउंडेशन में आयोजित महाशिवरात्रि समारोह में शामिल हुए थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शाह ने कहा- सबसे पहले, मैं दुनिया की सबसे पुरानी भाषा तमिल न बोल पाने के लिए माफी मांगना चाहता हूं। मैं महाशिवरात्रि के अवसर

पर अपनी शुभकामनाएं देता हूं। मैं बहुत आभारी हूं कि मुझे सद्गुरु के निमंत्रण पर यहां आने का अवसर मिला। ट्राई लैंग्वेज पॉलिसी को लेकर साउथ के राज्यों और केंद्र सरकार के बीच लंबे समय से विवाद बना रहा है। 2019 में न्यू एजुकेशन पॉलिसी लागू होने के बाद विवाद और बढ़ गया। नई शिक्षा नीति के तहत हर राज्य के छात्रों को तीन भाषा सीखनी होगी, जिनमें से एक हिंदी होगी। तमिलनाडु में इसको लेकर काफी विरोध हो रहा है। राज्य में मौजूदा सरकार के कार्यकर्ता जगह-जगह हिंदी लिखे नामों पर कालिख पोत रहे हैं। सीएम एमके स्टालिन ने मंगलवार को कहा था कि केंद्र हमारे ऊपर हिंदी न थोपे। अगर जरूरत पड़ी तो विरोध करेंगे।

वक्फ बिल में 14 बदलावों को केंद्र की मंजूरी

10 मार्च से होने वाले संसद सत्र में लाना संभव

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कैबिनेट ने वक्फ संशोधन विधेयक को मंजूरी दे दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 19 फरवरी को हुई बैठक में बिल को कैबिनेट की रजामंदी मिल गई थी। संसद के बजट सत्र के दूसरे हिस्से में सरकार इसे पेश कर सकती है। बजट सत्र का दूसरा हिस्सा 10 मार्च से 4 अप्रैल तक चलेगा। जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर वक्फ बिल का नया ड्राफ्ट तैयार

किया गया है। इससे पहले बजट सत्र के पहले चरण में 13 फरवरी को वक्फ बिल पर जेपीसी की रिपोर्ट संसद में पेश हुई थी। विपक्ष ने रिपोर्ट को फर्जी बताया था। इसके बाद संसद में हंगामा भी हुआ था। 27 जनवरी को वक्फ (संशोधन) विधेयक की जांच कर रही जेपीसी ने ड्राफ्ट रिपोर्ट को मंजूरी दी थी। जेपीसी की बैठक में 44 संशोधनों पर चर्चा हुई थी। भाजपा की अगुआई में एनडीए सांसदों के 14 संशोधनों को स्वीकार किया गया था, जबकि विपक्ष के संशोधनों को सिरे से खारिज कर दिया गया था। अगस्त 2024 में वक्फ बिल को अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने लोकसभा में पेश किया था।

अब राज्य नहीं बांट पाएंगे चुनावी रेवड़ियां! जल्द कसेगी नकेल

सेंट्रल टैक्स में राज्यों का हिस्सा काटने की तैयारी में केंद्र सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार सेंट्रल टैक्स में राज्यों की हिस्सेदारी में कटौती कर सकती है। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से यह दावा किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक केंद्र सरकार वित्त आयोग को इसकी सिफारिश करेगी। वित्त आयोग टैक्स शेयरिंग और केंद्र तथा राज्यों के बीच वित्तीय संबंधों के बारे में सिफारिश करता है। अरविंद पनगढ़िया की अगुवाई वाला यह आयोग 31 अक्टूबर तक अपनी रिपोर्ट देगा जिसे 2026-27 में लागू किया जाएगा। आयोग की सिफारिशें बाध्यकारी होती हैं। एक सूत्र ने कहा कि केंद्र सरकार केंद्रीय करों में राज्यों की हिस्सेदारी 41 फीसदी से घटाकर 40 फीसदी करने की सिफारिश कर सकती है। माना जा रहा है कि कैबिनेट मार्च के अंत तक इस प्रस्ताव को मंजूरी दे सकती है। उसके बाद इसे वित्त आयोग के पास भेजा जाएगा। टैक्स रेवेन्यू में 1 फीसदी की कटौती से राज्यों को करीब 35,000 करोड़ रुपये का नुकसान होगा। यह आंकड़ा इस साल के अनुमानित टैक्स कलेक्शन पर आधारित है। इस बारे में वित्त मंत्रालय और वित्त आयोग ने ईमेल का जवाब नहीं दिया। सूत्रों ने कहा कि 1980 में केंद्रीय करों में राज्यों का हिस्सा 20 फीसदी था जो अब 41 फीसदी है। लेकिन आर्थिक सुस्ती के कारण केंद्र का खर्च बढ़ गया है। यही वजह है कि केंद्रीय करों में राज्यों की हिस्सेदारी कम करने की मांग की जा रही है। 2024-25 में केंद्र का राजकोषीय घाटा जीडीपी का 4.8 फीसदी रहने का अनुमान है जबकि राज्यों के मामले में यह 3.2 फीसदी है।

दिल्ली की डबल इंजन सरकार विकसित दिल्ली– सुरक्षित दिल्ली के लिए दोगुनी गति से काम करेगी: अमित शाह

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज दिल्ली की नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता की उपस्थिति में लॉ एंड आर्डर और समन्वय पर एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में दिल्ली सरकार के गृह मंत्री आशीष सूद, केन्द्रीय गृह सचिव, दिल्ली के मुख्य सचिव, दिल्ली पुलिस आयुक्त, आसूचना ब्यूरो के निदेशक सहित केन्द्रीय गृह मंत्रालय, दिल्ली सरकार एवं दिल्ली पुलिस के अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

समीक्षा बैठक के दौरान दिल्ली में महिलाओं, बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा के साथ-साथ राष्ट्रीय राजधानी में कानून व्यवस्था को दुरुस्त करने और अपराधों पर नियंत्रण करने से संबंधित कई सुझावों और उपायों पर विस्तृत चर्चा की गई। गृह मंत्री ने दिल्ली पुलिस के कार्यों की समीक्षा करते हुए गृह मंत्री ने कहा कि दिल्ली पुलिस ने कानून व्यवस्था को दुरुस्त रखने और अन्य क्षेत्रों में अच्छा काम किया है। गृह मंत्री ने कहा कि दिल्ली की डबल इंजन सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की अपेक्षाओं के अनुरूप विकसित दिल्ली – सुरक्षित दिल्ली के लिए दोगुनी गति से काम करेगी।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने निर्देश दिए कि दिल्ली में बांग्लादेशियों और रोहिंग्या घुसपैठियों के भारत में घुसने से लेकर उनके डाक्यूमेंट्स बनवाने और उन्हें यहां रहने में मदद करने वाले पूरे नेटवर्क में संलिप्त सभी लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाये।

उन्होंने कहा कि अवैध घुसपैठियों का मामला राष्ट्रीय सुरक्षा से भी जुड़ा है और इसमें पूरी सख्ती के साथ काम हो और उन्हें चिन्हित कर डिपोर्ट किया जाए।

अमित शाह ने कहा कि लगातार खराब प्रदर्शन करने वाले पुलिस थानों और सब-डिविज़न्स के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाये। उन्होंने कहा कि खोया-पाया, पुलिस क्लीयरेंस सर्टिफिकेट, चरित्र सत्यापन, ट्रैफिक, वरिष्ठ नागरिकों और हिम्मत एप्प के बारे में लोगों की संतुष्टि के स्तर को जानना बेहद ज़रूरी है और इसके लिए एक थर्ड पार्टी सर्वे कराया जाना चाहिए।

अमित शाह ने कहा कि दिल्ली में Interstate gangs को रुथलेस अप्रोच के साथ समाप्त करना दिल्ली पुलिस की प्राथमिकता होनी चाहिए जिससे राष्ट्रीय राजधानी में कानून व्यवस्था को सुधारा जा सके। उन्होंने कहा कि डीसीपी स्तर के अधिकारी थाने लेवल पर जाकर जन-सुनवाई कैंप लगायें और जनता की समस्याओं का निराकरण करें।

शाह ने कहा कि सभी ACPs अपने नीचे आने वाले थानों में गंभीर केसों की स्वयं मॉनीटरिंग करें। उन्होंने कहा कि आगामी एक वर्ष तक दिल्ली पुलिस प्रत्येक तीन महीने के अंतराल में अपराधों के खिलाफ विशेष ड्राइव चलाएं और इसे आगे चलकर प्रत्येक डेढ़ महीने के भीतर चलाए।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि नार्कोटिक्स के मामलों में टॉप टू बॉटम और बॉटम टू टॉप अप्रोच के साथ काम करें और इसके पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने की ज़रूरत है। उन्होंने निर्देश दिए कि दिल्ली में कंस्ट्रक्शन से संबंधित मामलों में दिल्ली पुलिस की परमिशन की जरूरत नहीं होगी।

उन्होंने निर्देश दिया कि जेजे क्लस्टर्स में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा की दृष्टि से प्रायोगिक तौर पर 25 सुरक्षा समितियां बनाई जाएं और इन्हें परिणाम देखकर आगे बढ़ाया जाए।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने दिल्ली सरकार से आगामी मॉनसून के दौरान होने वाली संभावित जलभराव की समस्या से निपटने के लिए मॉनसून एक्शन प्लान बनाने को कहा।

अमित शाह ने निर्देश दिए कि खराब होने वाली बसों के कारण लगने वाले जाम को रोकने के लिए डीटीसी QRTs की तैनाती कर सभी विभागों के साथ समन्वय कर नज़दीक की टीम से तुरंत मदद ले और बस को हटाने में लगने वाले समय को कम करने के प्रयास करें।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि दिल्ली की तिहाड़ और मंडोली जेलों को मॉडल जेल बनाने के प्रयास हों। उन्होंने दिल्ली पुलिस को अतिरिक्त पदों पर भर्ती की प्रक्रिया को जल्द से जल्द शुरू करने को कहा। उन्होंने कहा कि दिल्ली में 2020 में हुए सांप्रदायिक दंगों के मामलों के त्वरित निपटान के लिए दिल्ली सरकार विशेष अभियोजक नियुक्त करे जिससे इन मामलों का जल्द निपटान हो सके।

अमित शाह ने कहा कि दिल्ली पुलिस और दिल्ली सरकार आपसी सहयोग से ही देश की राजधानी को अपराधमुक्त कर एक आदर्श राजधानी बना सकती हैं। उन्होंने यातायात प्रबंधन पर साझा प्रयास, कानून प्रवर्तन की आधारभूत संरचना के सुदृढ़ीकरण, महिला एवं बाल सशक्तीकरण, सिविक विभागों के बीच परस्पर सहयोग, भ्रष्टाचार पर अंकुश, सामुदायिक पुलिसिंग, सीसीटीवी कैमरों के रख-रखाव और एकीकरण आदि की दिशा में कार्य करने का सुझाव दिया।

महाकुंभ मेले में मुख्यमंत्री योगी ने सफाईकर्मियों के साथ खाया खाना

संगम पर झाड़ू लगाई, गंगा से कचरा निकाला, समापन के बाद भी मेले में भीड़

प्रयागराज (एजेंसी)। 45 दिन तक चले महाकुंभ का कल 26 फरवरी समापन हो चुका है। हालांकि, आज भी मेले में श्रद्धालुओं की भीड़ है। लोग संगम स्नान के लिए पहुंच रहे हैं। मेले में दुकानें भी लगी हैं। सीएम योगी, दोनों डिप्टी सीएम के साथ गुरुवार सुबह प्रयागराज पहुंचे। महाकुंभ के समापन पर योगी ने पहले अरैल घाट पर झाड़ू लगाई। गंगा नदी से कचरा निकाला। फिर गंगा पूजन भी किया। योगी ने सफाईकर्मियों के साथ जमीन पर बैठकर खाना खाया। दोनों डिप्टी ब्रजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य भी मौजूद रहे। सीएम ने कहा- कल महाकुंभ की पूर्णाहुति हुई। आस्था का इतना बड़ा समागम दुनिया के अंदर

कहीं नहीं हुआ। कोई घटना नहीं हुई। सपा पर निशाना साधते हुए योगी ने कहा- विरोधी दूरबीन और माइक्रोस्कोप लगाकर बैठे हुए थे, फिर भी वे घटनाएं उजागर नहीं कर पाए। दुष्प्रचार का कोई मौका उन्होंने नहीं छोड़ा। योगी ने महाकुंभ से जुड़े स्वच्छता कर्मियों को 10 हजार बोनस का ऐलान भी किया। कहा- जिन स्वच्छता कर्मियों को 8 से 11 हजार रुपए महीने के मिलते थे, इसे अप्रैल से बढ़ाकर 16 हजार करेंगे। बुधवार को महाशिवरात्रि पर महाकुंभ का अंतिम स्नान था। इस दौरान 1.53 करोड़ ने डुबकी लगाई।

पीथमपुर में ही जलेगा भोपाल गैसकांड का जहरीला कचरा

● सुप्रीम कोर्ट का रोक से इनकार, पहला ट्रायल आज ● रामकी फैक्ट्री के पास 24 थानों का फोर्स है तैनात

पीथमपुर (एजेंसी)। भोपाल की यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री के रासायनिक कचरे को पीथमपुर में जलाने से रोकने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को इस मामले की सुनवाई हुई। कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ताओं के सभी पक्षों को हाईकोर्ट ने सुन लिया है। फिलहाल सुप्रीम कोर्ट इस मामले में कोई सुनवाई नहीं करेगा। कोर्ट के इस रुख के बाद पीथमपुर में यूनियन कार्बाइड के रासायनिक कचरे के निष्पादन का ट्रायल कल से शुरू होगा। सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की टीम रामकी एनवायरो कंपनी में मौजूद है। फैक्ट्री में कचरा जलाने का दूसरा ट्रायल 4 मार्च और तीसरा 12 मार्च से शुरू होगा। इधर, कचरा जलाने के ट्रायल को लेकर प्रशासन सतर्क है। 3 जनवरी को हुए विरोध को देखते हुए प्रशासन कोई कोताही नहीं बरतना चाहता है। लिहाजा, इंदौर देहात और धार जिले के 24 थानों से 500 से ज्यादा पुलिसकर्मी पीथमपुर में रामकी एनवायरो फैक्ट्री के पास तैनात किए गए हैं। गैस राहत विभाग के डायरेक्टर स्वतंत्र कुमार सिंह ने भास्कर को बताया कि यूका के रासायनिक कचरे को लेकर सुप्रीम कोर्ट में पिटिशन लगी थी। जस्टिस गवई और जस्टिस मसीह की डबल बेंच ने पहले नंबर इस केस की सुनवाई की।

भाजपा फर्जी वोटरों की मदद से दिल्ली में जीती: ममता

● भतीजे अभिषेक ने बीजेपी में जाने से कर दिया इनकार

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को कोलकाता में कहा, भाजपा ने दिल्ली और महाराष्ट्र विधानसभा का चुनाव फर्जी वोट के जरिए जीता। इसमें चुनाव आयोग ने मदद की। उन्होंने कहा कि भाजपा ने ईसी की मदद से फर्जी वोटरों को वोटर लिस्ट में शामिल किया। ममता ने यह बात पार्टी कार्यकर्ताओं की एक मीटिंग में कही। उन्होंने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो वोटर लिस्ट सही करने और फर्जी वोटर हटाने को लेकर ईसी ऑफिस के सामने धरना दूंगी। उन्होंने कहा- अगर मैं 26 दिन की भूख हड़ताल कर सकती हूं, तो ईसी के खिलाफ भी आंदोलन शुरू कर सकती हूं। दरअसल, वे 2006 में भूमि अधिग्रहण के विरोध में की गई 26 दिन भूख हड़ताल का हवाला दे रही थीं। ममता बनर्जी के भतीजे और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) महासचिव अभिषेक बनर्जी ने उनके भाजपा में शामिल होने की खबरों को अफवाह बताया।

'आप' विधायकों को विस में जाने से रोका

आतिशी का प्रदर्शन, प्रवेश वर्मा बोले-शीशमहल की जांच होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा सत्र के तीसरे दिन एएपी विधायकों को विधानसभा में जाने से रोका गया। इसके बाद नेता विपक्ष आतिशी के साथ विधायक विधानसभा परिसर के बाहर 'जय भीम' के पोस्टर लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। आतिशी ने कहा- देश के इतिहास में पहली बार विधायकों को विधानसभा जाने से रोका जा रहा है। एएपी के केवल एक विधायक अमानतुल्लाह खान सदन में मौजूद हैं। इस बीच दिल्ली सरकार में मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा- शीशमहल की जांच होगी। पिछली सरकार की तरफ से फॉलोअप नहीं होने की वजह से कई प्रोजेक्ट्स की लागत दोगुनी हो गई है।

हम 2000 करोड़ रुपए के शराब नीति घोटाले पर सदन में चर्चा करेंगे। इधर, विधानसभा में आज कैग से जुड़ी कुछ रिपोर्ट्स पेश की जा सकती हैं।

मणिपुर सीएम की रेस में 3 नाम, तीनों मैतेई

समर्थन में समुदाय के 22 एमएलए, कोई और मंजूर नहीं

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में भाजपा एक बार फिर से मैतेई कम्युनिटी के नेता को मुख्यमंत्री बना सकती है। सूत्रों ने बताया कि सीएम की रेस में तीन नाम आगे चल रहे हैं। तीनों मैतेई हैं। पूर्व मुख्यमंत्री बीरेन सिंह भी मैतेई समुदाय के हैं। हालांकि, कुकी के साथ भाजपा के कई मैतेई विधायक अब उनके खिलाफ हैं। मणिपुर में कुकी-मैतेई के बीच 3 मई 2023 से हिंसा हो रही है। बीरेन सिंह पर हिंसा के दौरान मैतेइयों को कुकी के खिलाफ उकसाने के आरोप हैं। 9 फरवरी को उन्होंने सीएम पद से इस्तीफा दे दिया। नए सीएम के नाम पर विधायकों में सहमति नहीं बनने पर केंद्र ने 13 फरवरी को राज्य में राष्ट्रपति शासन लगा दिया। राज्य में अभी विधानसभा भंग नहीं हुई है।

ऐसे में भाजपा 10 मार्च से पहले सरकार बनाने का दावा पेश कर सकती है। 60 सीटों वाले मणिपुर विधानसभा में भाजपा के 37 विधायक हैं। इनमें 27 मैतेई, 6 कुकी, 3 नगा और 1 मुस्लिम हैं। एनडीए के कुल 42 विधायक हैं। इसमें नेशनल पीपल्स फ्रंट के भी 5 विधायक शामिल हैं। मैतेई भाजपा विधायक बोले- तीनों में सत्यब्रत पहली पसंद बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद मैतेई गुट के भाजपा विधायक दो खेमे में बंट गए हैं।

एक गुट बीरेन सिंह को फिर से सीएम बनाने के समर्थन में है तो दूसरा इसके खिलाफ। एंटी बीरेन कैंप के कई भाजपा विधायक इंफाल के होटलों में डेरा डाले हुए हैं। इनमें संगाई कॉन्टिनेंटल होटल में रुके एक मैतेई भाजपा विधायक ने नाम न बताने की शर्त पर भास्कर को बताया, ज्यादातर विधायकों के बीच मुख्यमंत्री के तौर पर थोकचोम सत्यब्रत सिंह, युमनाम खेमचंद सिंह और थोकचोम राधेश्याम सिंह के नाम पर चर्चा हो रही है।

पत्नी के अफेयर पर रोते हुए TCS मैनेजर की लाइव फांसी; हर साल 1 लाख से ज्यादा मर्द सुसाइड क्यों करते हैं

आगरा के डिफेंस कॉलोनी में एयरफोर्स से रिटायर्ड नरेंद्र शर्मा अपनी पत्नी के साथ रहते हैं। उनकी बेटी आकांक्षा दिल्ली में अपने ससुराल में रहती है और 30 साल का बेटा मानव शर्मा मुंबई में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज यानी TCS में जॉब करता था।

पिता नरेंद्र के मुताबिक, 30 जनवरी 2024 को धूमधाम से मानव की शादी निकिता से हुई। शादी के बाद बेटा और बहू मुंबई में ही रहने लगे। 23 फरवरी 2025 को दोनों मुंबई से वापस आगरा आए। मानव उसी दिन निकिता को मायके छोड़ आया। 24 फरवरी की सुबह मानव ने घर पर ही फांसी लगा ली।

आगरा के ASP विनायक गोपाल के मुताबिक, 'हमें मिलिट्री हॉस्पिटल से सूचना मिली कि मानव नाम के एक व्यक्ति मृत अवस्था में लाया गया है। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाया। तब तक कोई तहरीर नहीं दी गई। बाद में उनकी बहन ने जब मानव का मोबाइल चेक किया तो उसमें एक वीडियो मिला और सुसाइड की वजहों का खुलासा हुआ।'

पिता नरेंद्र ने आरोप लगाया, 'बहू बेटे से कहती थी कि घरवालों ने मेरी मर्जी के खिलाफ तुमसे शादी कर दी। मैं किसी और से प्यार करती हूं। मेरे कई बॉयफ्रेंड हैं, जिनके साथ मैं ऐशो आराम से जिंदगी जीना चाहती हूं।'

मानव ने सुसाइड से पहले 6 मिनट 57 सेकेंड का एक वीडियो बनाया। इस वीडियो में मानव ने 4 प्रमुख बातें कही...

1. पत्नी का एक्सट्रा मैरिटल अफेयर: मानव ने अपनी पत्नी निकिता पर आरोप लगाते हुए कहा, 'मेरी वाइफ का किसी के साथ अफेयर है। कोई बात नहीं।'

2. पत्नी की प्रताड़ना: मानव ने पत्नी निकिता पर झूठे केस में फंसाने की धमकी देने के आरोप लगाए। मानव ने कहा, 'पापा सॉरी, मम्मी सॉरी, अक्कू (बहन आकांक्षा) सॉरी। मेरे जाते ही सब कुछ ठीक हो जाएगा। कोई आदमी बचेगा ही नहीं, जिसके ऊपर तुम इल्जाम लगा सको।'

3. पुरुषों के खिलाफ बढ़ता अत्याचार: मानव ने कहा- मैं तो चला जाऊंगा। मर्दों की सोचो, प्लीज सोचो, मर्दों के बारे में कोई तो बात करे। बेचारे बहुत अकेले हैं।'

4. लॉ एंड ऑर्डर से इंसाफ नहीं: मानव ने कहा, 'मैं पहले भी सुसाइड की कोशिश कर चुका हूं। आज फिर कर रहा हूं। चलो ठीक है, अब जा रहा हूं। मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता किसी लॉ एंड ऑर्डर से।' इसके बाद वे रोने लगते हैं। आखिरी मिनट में हंसते हैं। आंसू पोंछते हुए कहते हैं, 'डोंट टच माई पेरेंट्स।'

2023 में सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता महेश कुमार तिवारी ने एक याचिका दायर की। इसमें उन्होंने राष्ट्रीय पुरुष आयोग की स्थापना की मांग की। यह आयोग घरेलू हिंसा के शिकार विवाहित पुरुषों के बढ़ते आत्महत्या के मामलों से निपटने के लिए काम करेगा।

महेश कुमार ने भारत में आकस्मिक मौतों पर राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) की 2021 की रिपोर्ट का हवाला दिया। इस रिपोर्ट के मुताबिक 2021 में देशभर में 1.64 लाख से ज्यादा लोगों ने आत्महत्या की। इसमें 81 हजार से ज्यादा लोग विवाहित पुरुष थे और लगभग 28 हजार विवाहित महिलाएं थीं। इस रिपोर्ट में बताया गया कि 2021 में लगभग 33.2% पुरुषों ने पारिवारिक समस्याओं और 4.8% ने वैवाहिक समस्याओं की वजह से आत्महत्या की।

NCRB की रिपोर्ट के मुताबिक, 2015 से 2022 यानी बीते 8 सालों में 8.09 लाख से ज्यादा पुरुषों ने सुसाइड किया। यानी हर साल करीब 1 लाख से ज्यादा पुरुष सुसाइड करते हैं। जबकि हर सुसाइड करने वाली महिलाओं की संख्या 43,314 यानी पुरुषों की तुलना में आधी से भी कम हैं।

2022 का एग्जांपल लेते हैं। इस साल कुल 1 लाख 70 हजार पुरुषों ने आत्महत्या की। इनमें शादीशुदा पुरुषों की संख्या 83,713 थी।

2022 में 1.70 लाख सुसाइड में सबसे ज्यादा 21.7% यानी 37 हजार 587 पुरुषों की आत्महत्याओं की वजह पारिवारिक समस्याएं थीं। NCRB पारिवारिक समस्याओं को डिफाइन नहीं करता. इसमें लड़ाई-झगड़े, मानसिक उत्पीड़न, शारीरिक उत्पीड़न और विवाद जैसी चीजें शामिल हो सकती हैं।

2022 में महज 3.28% यानी 5,576 पुरुषों ने शादी में अनबन की वजह से सुसाइड किया। इसमें दहेज विवाद, एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर्स, तलाक और शारीरिक उत्पीड़न जैसी चीजें शामिल हैं। यानी पुरुषों की आत्महत्या के पीछे शादियों पर जितना हल्ला मचता है, आंकड़ों में वो उतनी बड़ी वजह नहीं है।

NCRB की रिपोर्ट के मुताबिक, कुल 1.70 लाख आत्महत्या करने वाले पुरुषों में 58.2% ने फांसी लगाकर, 25.4% ने जहर खाकर, 5% ने पानी में डूबकर और 2.9% ने चलती गाड़ियों और ट्रेनों के नीचे आकर आत्महत्या की।

भारतीय कानून में दहेज लेना और देना दोनों ही अपराध है। इसके लिए इंडियन पीनल कोड (IPC) की धारा 498A के तहत केस दर्ज किया जाता था।

IPC बदलकर BNS हुई तो ये प्रावधान अब धारा 85 और 86 में हैं।

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, वैवाहिक जीवन में सिर्फ दहेज की वजह से प्रॉब्लम नहीं होती। कई अन्य वजहों से भी विवाद हो सकते हैं। जैसे- किसी की सास-ससुर से नहीं बनती या पति ज्यादा वक्त नहीं दे पाता। इसके लिए कानून में अलग से कोई रेमेडी नहीं है, इसलिए सबक सिखाने के लिए दहेज प्रताड़ना के तहत मुकदमा लिखवा दिया जाता है। इसके प्रावधान बेहद सख्त हैं।

इन मामलों में महिला को आरोपों का सबूत नहीं देना पड़ता। केस दर्ज होने के बाद प्रूफ ऑफ बर्डेन पुरुषों पर होता है यानी उसे खुद अपनी बेगुनाही साबित करनी पड़ती है।

एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर को एडल्ट्री भी कहते है। यानी एक शादीशुदा इंसान अपने पति या पत्नी के अलावा किसी गैर पुरुष या स्त्री के साथ संबंध बनाता या बनाती है। भारतीय दंड संहिता की धारा 497 में इसे जुर्म बताया था। लेकिन 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने इस कानून को खत्म कर दिया क्योंकि इसमें सिर्फ महिलाओं के लिए एडल्ट्री को अपराध माना गया था।

अश्विनी दुबे का मानना है कि देश में अब जेंडर न्यूट्रल लॉ की जरूरत आ गई है।

बीते कुछ वक्त में देश में पुरुषों पर उत्पीड़न के मामले तेजी से बढ़े हैं। अब पुरुष अपनी पत्नियों से प्रताड़ित होकर सुसाइड कर लेते हैं। हाल ही में बेंगलुरु के अतुल सुभाष का केस भी ऐसा ही था।

अश्विनी दुबे का कहना है, 'धारा 498A का जिस तरह दुरुपयोग बढ़ रहा है, इससे आने समय में बुरे नतीजे देखने को मिल सकते हैं। जेंडर न्यूट्रल लॉ आने से झूठे केसों और उत्पीड़न के मामलों में कमी आएगी। फिर दहेज प्रताड़ना, मानसिक उत्पीड़न, यौन शोषण और मारपीट जैसे झूठे केस दर्ज नहीं हो सकेंगे।'

रॉयल पत्रिका संपादकीय

सुधारों से बढ़ेगी ग्रोथ

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) ने कहा है कि भारत को मैक्रो-इकॉनमिक स्थिरता बनाए रखने के लिए कुछ ढांचागत सुधारों को लागू करना होगा। इन सुधारों से भारत 2047 तक विकसित बनने के सपने की ओर बढ़ पाएगा। IMF के सुझाव सही हैं और पहले भी एक्सपर्ट्स इस बात की ओर ध्यान दिला चुके हैं।

तेज ग्रोथ चाहिए: दरअसल, केंद्र सरकार ने विकसित भारत का जो लक्ष्य रखा है, उसके लिए देश की सालाना GDP ग्रोथ 8-9% होनी चाहिए। अभी इस लक्ष्य से देश काफी पीछे चल रहा है। IMF का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2025 और अगले वित्त वर्ष यानी 2026 में भारत की GDP ग्रोथ 6.5% रह सकती है।

ग्रोथ अनुमान से कम: सरकार का अपना अनुमान इससे भी कम है। उसका मानना है कि वित्त वर्ष 2025 में ग्रोथ 6.4% रह सकती है। इस साल की दूसरी तिमाही यानी जुलाई-सितंबर तिमाही में 5.4% के साथ 8 वर्षों के निचले स्तर पर आ गई थी, जबकि अप्रैल-सितंबर यानी पहले 6 महीनों में ग्रोथ 6% रही। शुक्रवार को GDP ग्रोथ की तीसरी तिमाही के आंकड़े आए। इस तिमाही में ग्रोथ 6.2% रही, जबकि पिछले साल की इसी तिमाही में ग्रोथ 8.6% थी।

कृषि-भूमि सुधार: IMF की Article IV कंसल्टेशन रिपोर्ट में संस्था के बोर्ड ने देश की मैक्रो-इकॉनमिक नीतियों की सराहना की है। साथ ही, यह भी कहा है कि 2047 तक विकसित बनने के लक्ष्य के लिए कृषि, भूमि, श्रम और न्यायिक जैसे ढांचागत सुधार करने होंगे। हालांकि, कृषि सुधारों की कोशिश किसानों के विरोध की वजह से सरकार को वापस लेनी पड़ी थी। भूमि और न्यायिक सुधारों की कोशिश भी पहले फेल हो चुकी है। ये मुद्दे राजनीतिक तौर पर संवेदनशील हैं। इन्हें लेकर सरकार को कानून लाने से पहले आम सहमति बनानी चाहिए।

टैरिफ घटाने पर जोर: रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत को टैरिफ दरों में और कमी करने की जरूरत है। इस सिलसिले में हालिया बजट में की गई पहल की सराहना करनी चाहिए, जिसमें कई चीजों पर कस्टम ड्यूटी में कमी की गई थी। दरअसल, जब तक घरेलू कंपनियां लागत और गुणवत्ता के मामले में अंतरराष्ट्रीय कंपनियों का मुकाबला नहीं कर पाएंगी, तब तक विदेशी बाजार में वे जगह नहीं बना पाएंगी। अगर उन्हें वैश्विक सप्लाई चेन का हिस्सा बनना है तो अंतराष्ट्रीय कंपनियों से मुकाबला करना ही होगा। IMF की रिपोर्ट का लब्बोलुआब यही है कि अगर देश को तेजी से तरक्की करनी है तो अगले दौर के सुधारों की ओर कदम बढ़ाना होगा।

दो टूक

मुनीष भाटिया

भारत के 'तेल व्यापार' पर अमेरिकी आपत्ति अस्वीकार्य

भारत एक संप्रभु राष्ट्र है और अपनी आर्थिक एवं व्यापारिक नीतियों को तय करने का पूर्ण अधिकार रखता है। भारत, वैश्विक अर्थव्यवस्था में तेजी से उभरती हुई शक्ति बन चुका है और ऐसे में किसी अन्य देश द्वारा उसकी नीतियों में हस्तक्षेप करना उसकी सम्प्रभुता का उल्लंघन ही माना जाएगा। हाल ही में अमेरिका द्वारा भारत की कंपनियों के ईरान से अप्रत्यक्ष रूप से तेल खरीदने पर आपत्ति जताना और प्रतिबंध लगाने की धमकी देना उसी दादागिरी का हिस्सा है, जो वह पहले भी रूस से तेल खरीदने के मामले में दिखा चुका है। अमेरिका अक्सर अपनी ताकत का इस्तेमाल करके दूसरे देशों पर अपनी नीतियां थोपने की कोशिश करता है। अमेरिका को समझना होगा कि भारत न तो किसी दबाव में आएगा और न ही अपनी संप्रभुता से समझौता करेगा। अमेरिका द्वारा लगाए जाने वाले प्रतिबंध या सहायता पर रोक जैसे कदम केवल उसकी असल मानसिकता को ही दर्शाते हैं, जिससे उसकी वैश्विक छवि को नुकसान होगा। आज की स्थिति में अमेरिका को यह समझना चाहिए कि भारत केवल एक उभरता बाजार ही नहीं बल्कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का एक अहम हिस्सा भी बन गया है। भारत आज दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, जिसका सकल घरेलू उत्पाद लगभग 3.73 ट्रिलियन डॉलर है। अनुमान है कि 2027 तक यह 4.5 ट्रिलियन डॉलर को पार कर जाएगी। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार 2023 में 191 बिलियन डॉलर तक पहुँच गया, जिससे यह स्पष्ट होता है कि अमेरिका को भारतीय बाजार की ज्यादा जरूरत है। अमेरिका यदि भारत पर किसी भी प्रकार की व्यापारिक पाबंदी लगाता है, तो इससे उसे भी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा, क्योंकि भारत में एप्पल, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट और टेस्ला जैसी अमेरिकी कंपनियां अपना विस्तार कर रही हैं। भारत अपनी कुल तेल जरूरत का 85% आयात करता है। 2023 में भारत ने 1.64 मिलियन बैरल प्रतिदिन कच्चे तेल का आयात रूस से किया, जिससे रूस भारत का सबसे बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता बन गया। 2018 तक भारत ईरान से 480,000 बैरल प्रतिदिन तेल आयात कर रहा था, लेकिन अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण इसमें गिरावट आई। अब भारत फिर से ईरान से तेल खरीदने के विकल्प तलाश रहा है। अमेरिका ने पहले भी रूस से भारत के तेल खरीदने पर दबाव बनाया था, लेकिन भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने स्पष्ट किया कि भारत अपने नागरिकों के हित में निर्णय लेता है, न कि किसी बाहरी दबाव में। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद अमेरिका ने रूस पर कई आर्थिक प्रतिबंध लगाए, लेकिन भारत ने रूस से व्यापार जारी रखा क्योंकि यह भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए आवश्यक था। अमेरिका का तर्क है कि ईरान पर लगाए गए प्रतिबंधों का पालन सभी देशों को करना चाहिए, लेकिन भारत अपने राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखता है। तेल भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है और यदि ईरान से सस्ता तेल मिलता है, तो भारत को किसी अन्य देश के प्रतिबंधों की परवाह नहीं करनी चाहिए। अमेरिका ने हाल ही में अमेरिकी सहायता पर भी रोक लगाई और भारत पर इसके दुरुपयोग का आरोप लगाया। भारत आत्मनिर्भरता की नीति के तहत आगे बढ़ रहा है और वैश्विक मंच पर अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा चुका है। जी20 शिखर सम्मेलन में भारत ने अपनी नेतृत्व क्षमता का प्रदर्शन किया और यह दिखाया कि वह वैश्विक मुद्दों पर अपनी प्रभावशाली भूमिका निभा सकता है। अमेरिका की भारत में रणनीतिक रुचि का एक महत्वपूर्ण कारण चीन की बढ़ती ताकत है। चीन लगातार अपने सैन्य और आर्थिक प्रभाव का विस्तार कर रहा है, जिससे अमेरिका और उसके सहयोगी देश चिंतित हैं। अमेरिका चाहता है कि भारत इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभुत्व को संतुलित करने में उसकी सहायता करे। इसी कारण अमेरिका भारत को विभिन्न रक्षा और तकनीकी सहयोग कार्यक्रमों में शामिल करना चाहता है। भारत और अमेरिका के बीच क्वाड समूह का गठन भी इसी रणनीति का हिस्सा है। यह समूह चीन के आक्रामक रवैये के खिलाफ एक संतुलन बनाने का प्रयास करता है। अमेरिका को यह समझना होगा कि यदि वह भारत के साथ अपने संबंधों को मजबूत बनाए रखना चाहता है, तो उसे पारस्परिक सम्मान और सहयोग की नीति अपनानी होगी। दोनों लोकतांत्रिक देश हैं और दोनों के आपसी संबंधों में मजबूती बनी रहनी चाहिए, लेकिन यह तभी संभव है जब अमेरिका भारत की संप्रभुता का सम्मान करे। वरना, भारत जैसी तेजी से उभरती हुई शक्ति के सामने उसकी नीतियां अधिक समय तक नहीं टिक पाएंगी।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मानव के लिए नैतिक मूल्यों का क्या महत्व है?

संकलित

दर्शन

नैतिक मूल्य मानव को परिपूर्णता प्रदान कर उसे ईश्वरीय रचनाओं में श्रेष्ठ बनाते हैं, परंतु आधुनिकता के नाम पर इन मूल्यों का निरंतर अवमूल्यन होता जा रहा है। बढ़ता भौतिकतावाद उन्हें लील रहा है। परिणामस्वरूप नैतिकता घुट-घुटकर ही सांस ले पा रही है। यह स्थिति तब है जब नैतिकता को मानव समाज के अभिन्न अंग के रूप में मान्यता मिली है। नैतिकता के अभाव में मनुष्यता का आकलन संभव ही नहीं। नैतिकता व्यक्ति के विकास में एक सीढ़ी के समान है, जिसके सहारे हम अपने जीवन में आगे बढ़ते हैं। नैतिक मूल्यों के अभाव में मनुष्य मानव जीवन को निरर्थक बना देता है। प्रख्यात विचारक अल्बेयर कामू ने भी कहा है कि नैतिकता के बिना एक व्यक्ति इस दुनिया में किसी पशु के समान है। हम जीवन में महत्वपूर्ण निर्णय नैतिक कसौटी पर कसने के बाद ही करते हैं, लेकिन देखने में आता है कि कई बार मनुष्य उसे अनदेखा कर फैसला करता है, जो नैतिक पतन का कारण बनता है। स्मरण रहे कि ईश्वर ने हमें सिर्फ सुख भोगने के लिए ही इस संसार में नहीं भेजा है। इसीलिए केवल भौतिक सुखों के लिए नैतिकता का परित्याग करना उचित नहीं। इसका एक कारण यही है कि अब हमने अपने अंतःकरण की आवाज को अनसुना करना आरंभ कर दिया है। हमें यह पता होता है कि अमुक कार्य नैतिक रूप से सही नहीं, लेकिन सुख के लिए वह कार्य करने से संकोच नहीं करते। इसमें अक्सर दूसरे के हितों की बलि चढ़ जाती है।

यात्रा में नई बातें सीख पाएंगे तो व्यक्तित्व में निखार आएगा

संकलित

प्रेरणा

एक गरीब व्यक्ति अर्जुन के पास पहुंचा और बोला कि कोई चोर उसकी गाय चुराकर ले गया है। मेरी मदद करें। अर्जुन उस व्यक्ति की मदद के लिए अपने धनुष-बाण लेने युधिष्ठिर-द्रौपदी के कमरे में चले गए। अर्जुन ने उस गरीब की मदद तो कर दी, लेकिन पांडवों का बनाया हुआ नियम तोड़ दिया। ये नियम तोड़ने के लिए अर्जुन को वनवास जाना पड़ा। अर्जुन 12 वर्षों के लिए अकेले ही वनवास के लिए निकल पड़े थे। वे वन-वन घूम रहे थे। अर्जुन ने तय किया कि मुझे इस वनवास में तपस्या करके अपने व्यक्तित्व को और निखारना चाहिए। उन्होंने सोचा कि मुझे वन में दुखी नहीं होना चाहिए, बल्कि नए लोगों से मिलकर कुछ नया सीखना चाहिए। वनवास के समय में एक श्रीकृष्ण और अर्जुन की मुलाकात हुई। अर्जुन ने पूरी बात श्रीकृष्ण को बता दी। श्रीकृष्ण ने कहा कि तुम मेरे साथ द्वारका चलो। अर्जुन ने कहा कि मुझे तो वनवास में ही रहना है। मैं वन से बाहर नहीं जा सकता। श्रीकृष्ण ने अर्जुन से कहा कि वन में घूमो और नए-नए स्थानों का, नई-नई विद्याओं का ज्ञान प्राप्त करो। जब हम यात्रा में होते हैं, तब हमें लगातार नया सीखते रहने की कोशिश करनी चाहिए। तभी यात्रा का लाभ मिल सकता है। वन तो तुम देख चुके हों, अब मैं तुम्हें द्वारका इसीलिए ले जा रहा हूं, ताकि तुम एक ऐसी नगरी देख सको, जहां तुम्हें और नई बातें सीखने को मिलेगी। द्वारका में योग में भोग और भोग में योग देखने को मिलेगा। तुम्हें द्वारका में बहुत बड़ा संदेश मिलेगा। श्रीकृष्ण की बातें मानकर अर्जुन द्वारका चले गए।

अंतर्मन

आज की पाती

फास्ट फूड के सेवन से पनपती स्वास्थ्य समस्याएं

भारत की खाद्य संस्कृति वैश्वीकरण, शहरीकरण और बदलती जीवनशैली के परिणामस्वरूप बदल रही है, जो प्रमुख सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक परिवर्तनों का कारण बन रही है। भारत में युवा पीढ़ी तेजी से फास्ट फूड का सेवन कर रही है, जिसके कारण कई स्वास्थ्य समस्याएं पैदा हो रही हैं, जैसे मोटापा, टाइप-2 मधुमेह और हृदय संबंधी विकार। फास्ट फूड में अक्सर बड़ी मात्रा में कैलोरी, चीनी, सोडियम और खराब वसा होती है, जो खराब खाने की आदतों और पोषण संबंधी कमियों को जन्म दे सकती है। इसका परिणाम एक गतिहीन जीवन शैली भी हो सकता है, जो किसी के स्वास्थ्य के लिए जोखिम बढ़ाएगा।

- **रमेश चौहान**, भाटापारा

करंट अफेयर

उत्तर कोरिया ने किया क्रूज मिसाइल परीक्षण का दावा

उत्तर कोरिया ने परमाणु हमले की स्थिति में जवाबी कार्रवाई करने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन करने के लिए सामरिक रूप से अहम क्रूज मिसाइल के परीक्षण का शुक्रवार को दावा किया। इससे कुछ ही दिन पहले उत्तर कोरिया ने अमेरिका से 'बढ़ते खतरे' का जवाब देने का संकल्प लिया था। आधिकारिक 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' ने कहा कि उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने बुधवार को देश के पश्चिमी तट पर मिसाइल परीक्षणों की निगरानी की। यह उत्तर कोरिया का इस साल चौथा और अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में दूसरा मिसाइल प्रक्षेपण कार्यक्रम है। केसीएनए ने कहा कि इन प्रक्षेपणों का उद्देश्य 'हमारी सुरक्षा व्यवस्था का गंभीर उल्लंघन करने वाले और टकराव के माहौल को बढ़ावा देने वाले शत्रुओं को उत्तर कोरियाई सेना की जवाबी हमले की क्षमता और उसके परमाणु संचालन की तत्परता के बारे में सूचित करना है।' रिपोर्ट में कहा गया है कि किम ने परीक्षण के परिणामों पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि सेना को युद्ध तथा अपने परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करने के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए।

ऑफ बीट

भविष्य के आहार में आयरन जैसे तत्वों की होगी कमी

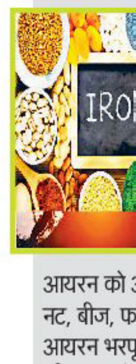

आयरन की कमी दुनिया भर में पोषक तत्वों की कमी के सबसे आम रूपों में से एक है। जैसे-जैसे लोग वनस्पति आधारित आहार अपनाने पर विचार करेंगे, आयरन की कमी का खतरा बढ़ने की संभावना होगी। इससे पता चलता है कि अगर खाद्य उत्पादन और आपूर्ति के 'वैश्विक पैटर्न' नहीं बदले, तो 2040 तक आहार में आयरन की कमी हो सकती है। इसका मतलब है कि हमें अपने आहार में आयरन की कमी को दूर करना होगा। ब्रेड और अनाज जैसे सामान्य खाद्य पदार्थ सहित विभिन्न खाद्य पदार्थ में पहले से ही अतिरिक्त पोषक तत्व हैं। वनस्पति आधारित खाद्य पदार्थों में अक्सर उच्च मात्रा में फाइबर और फाइटेट होते हैं, जो शरीर की आयरन को अवशोषित करने की क्षमता को कम कर देते हैं। साबुत अनाज, नट, बीज, फलियां और पत्तेदार साग जैसे वनस्पति आधारित खाद्य पदार्थों में आयरन भरपूर होता है और पशु-स्रोत वाले खाद्य पदार्थों में मौजूद आयरन की तुलना में कम आसानी से अवशोषित होता है। मिश्रित आहार यानी सब्जियां, अनाज और पशु-स्रोत वाले खाद्य पदार्थ जैसे कुछ मछलियों, लाल मांस या मुर्गे का सेवन आयरन अवशोषण की सुविधा प्रदान करता है।

ट्रेंड

बचाव प्रयास जारी

जोशीमठ (उत्तराखंड) के माणा क्षेत्र में हिमस्खलन हुआ है, जिसका असर बीआरओ के जीआरईएफ कैंप पर पड़ा है। स्थानीय प्रशासन व सेना इकाइयों द्वारा बचाव प्रयास जारी हैं। उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करके फंसे हुए कर्मियों को बचाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

-राजनाथ सिंह, रक्षामंत्री

दिल्ली के हित सर्वोपरि

आप-दा ने 10 वर्षों में दिल्ली के छोटे-छोटे मुद्दों के समाधान पर कोई ध्यान नहीं दिया। अब डबल इंजन सरकार दिल्ली के हित को सर्वोपरि रखते हुए जनकल्याण हेतु निरंतर कार्य करेगी और एक समृद्ध एवं विकसित दिल्ली के मार्ग को प्रशस्त करेगी।

-रेखा गुप्ता, सीएम दिल्ली

ऋण वृद्धि पुनर्जीवित

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने एनबीएफसी और माइक्रोफाइनेंस ऋणों पर बैंक ऋण पर जोखिम भार कम करके ऋण वृद्धि को पुनर्जीवित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

-स्वामीनाथन पद्मनाभन, उद्योगपति

परम चैतन्य

जिस चेतना की उपस्थिति में हम अपने अतीत की ग्लानि और भविष्य की चिंता से मुक्त होते हुए "आनंद से पूर्ण" हो जाएं तब समझिए हम "परम चैतन्य" के कृपाक्षेत्र में हैं। प्रेमानंद जी महाराज के दर्शन करके मुझे यही अनुभूत हुआ।

-आशुतोष राणा, अभिनेता

राज्य स्तरीय आरोग्य मेला-2025 का आयोजन 01 से 04 मार्च तक

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान के माननीय मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के आपणों अग्रणी राजस्थान, स्वस्थ राजस्थान एवं विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने हेतु आयुष विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा 4 दिवसीय राज्य स्तरीय आरोग्य मेला-2025 का आयोजन 01 मार्च से 04 मार्च तक शिल्पग्राम, जवाहर कला केन्द्र में किया जा रहा है। राजस्थान के माननीय उप मुख्यमंत्री एवं आयुष मंत्री डॉ. प्रेम चंद बैरवा ने शुक्रवार को प्रेस वार्ता को सम्बोधित करते हुए बताया कि राज्य स्तरीय आरोग्य मेला का उद्देश्य आयुष पद्धतियों की प्रभावशीलता एवं स्वस्थ जीवनशैली के बारे में नागरिकों को जागरूक करना, आयुष विशेषज्ञों के ज्ञान एवं अनुभव का आदान-प्रदान करना तथा रोगों से बचाव व उपचार में इन पद्धतियों की विशेषता से जनमानस को लाभान्वित करना है। उन्होंने बताया कि राज्य स्तरीय आरोग्य मेले-2025 का शुभारंभ 1 मार्च 2025 को प्रातः 11 बजे उनके द्वारा किया जायेगा। मेला 4 मार्च तक प्रतिदिन प्रातः 11 बजे से रात्रि 8 बजे तक आयोजित होगा। आयुष मंत्री ने बताया की आरोग्य मेला अवधि में प्रतिदिन प्रातः 11.00 बजे से सायं 5.00 बजे तक आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी, योग एवं नेचुरोपैथी चिकित्सा पद्धतियों के विशेषज्ञों द्वारा सामान्य, जटिल एवं जीर्ण रोगों के संबध में निःशुल्क चिकित्सा परामर्श एवं उपचार प्रदान किया जायेगा। प्रतिदिन प्रातः 07.00 से 08.00 बजे तक योग विशेषज्ञों द्वारा योगाभ्यास कराया जायेगा। साथ ही मेला अवधि मे विभिन्न रोगों से संबंधित योग क्रियाओं का प्रत्यक्ष प्रदर्शन भी प्रदान किया जाएगा। विशेषज्ञों द्वारा आयुर्वेद की विशिष्ट पंचकर्म चिकित्सा द्वारा जोड व कमर के दर्द तथा वात व्याधि आदि रोगों के लिए परामर्श एवं उपचार किया जायेगा। मेले में जलौका चिकित्सा, अग्निकर्म चिकित्सा, ऑस्टियोपैथी, मर्म चिकित्सा कपिंग थैरेपी आदि विशिष्ट आयुष चिकित्सा विधाओं से उपचार की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। सौंदर्य विशेषज्ञों द्वारा सौंदर्य प्रसादन क्लिनिक पर वर्तमान परिप्रेक्ष्य में होने वाली सौंदर्य समस्याओं की हर्बल चिकित्सा व प्राकृतिक साधनों से सौंदर्य बनाये रखने के विषय में भी जानकारी दी जाएगी। आयुर्वेद, होम्योपैथी, योग एवं यूनानी चिकित्सा के क्षेत्र में कौशल विकास एवं शैक्षिक अवसरों के संबंध में एम.डी., एम.एस., स्नातक डिग्री व डिप्लोमा पाठ्क्रमों में प्रवेश प्रक्रिया व पात्रता की जानकारी के साथ-साथ आयुर्वेद फार्मेसी स्थापित करने की प्रक्रिया की जानकारी प्रदान की जाएगी। आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी के निदेशालयों द्वारा राज्य में संचालित औषधालयों एवं चिकित्सालयों पर उपलब्ध सेवाओं की जानकारी भी उपलब्ध रहेगी। राज्य औषध पादप मण्डल द्वारा औषधीय पादपों का प्रदर्शन उनकी पहचान औषधीय महत्व की जानकारी एवं लगभग 15 प्रजाति के औषधीय पादपों का निशुल्क वितरण भी किया जायेगा। साथ ही औषधीय पादपों के संरक्षण संवर्द्धन कृषिकरण एवं विपणन आदि हेतु संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी जावेगी। आयुर्वेद होम्योपैथी व यूनानी चिकित्सा क्षेत्र की विभिन्न औषधी निर्माता फर्मों द्वारा अपने नवीनतम औषध उत्पादों के प्रदर्शन एवं विक्रय हेतु लगभग 50 स्टॉल्स लगाई जायेगी। स्वस्थ एवं दीर्घ जीवनशैली बन्ध्यत्व कारण एवं निवारण, यौगिक षट्कर्म आदि विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान दिये जायेंगे, जिससे आयुष चिकित्सकों, विद्यार्थियों एवं स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं व आमजन लाभान्वित हो सकेंगे। मेला स्थल पर भारत सरकार एवं राज्य सरकार की विभिन्न संस्थाओं की गतिविधियों का प्रदर्शन किया जाएगा साथ ही राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एवं एन. सी. आई. एस. एम. द्वारा मेले में आगन्तुक आयुष चिकित्सकों का हेल्थ प्रोफेशनल रजिस्ट्रेशन किया जायेगा। प्रतिदिन सायंकाल 06.30 बजे से 08.00 बजे तक मेला आयोजन स्थल पर स्वास्थ्य के उन्नयन के लिये जनसामान्य को जागरूक किए जाने हेतु सांस्कृतिक कार्यक्रम नाटिका मंचन का आयोजन किया जाएगा साथ ही मानस रोगों पर राग विशेष का गायन प्रस्तुतिकरण एवं संगीत मय ध्यान का अभ्यास भी करवाया जावेगा। इस दौरान आयुर्वेद विभाग के निदेशक डॉ. आनन्द कुमार शर्मा, अतिरिक्त निदेशक डॉ. बत्तीलाल बैरवा, होम्योपैथिक विभाग की निदेशक डॉ. रेणु बंसल व यूनानी विभाग के निदेशक डॉ. मनमोहन खींची सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

समर्थन संस्था द्वारा विशाल रक्तदान शिविर और रक्तदान, अंगदान, देहदान के महत्त्व पर सेमीनार आगामी 16 मार्च को

जयपुर, (रॉयल पत्रिका) । मानवता व परोपकार के लिए समर्पित समर्पण संस्था की ओर से रविवार , 16 मार्च को प्रातः 9:30 से 2:00 बजे तक 15 वाँ विशाल रक्तदान शिविर व "रक्तदान, अंगदान व देहदान का महत्व " विषयक सेमिनार प्रताप नगर सांगानेर सेक्टर -11 स्थित सामुदायिक केन्द्र में आयोजित किये जायेंगे । संस्था पदाधिकारियों द्वारा मीटिंग में कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन किया गया । मीटिंग का आयोजन सेवानिवृत्त आई आर ए एस व संस्था के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सी एल वर्मा की अध्यक्षता में हुआ । जिसमें रक्तदाता प्रेरक व सदस्यों ने प्रमुखता से भाग लिया । मीटिंग में संस्था के संस्थापक अध्यक्ष आर्किटेक्ट डॉ. दौलत राम माल्या ने कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि यह रक्तदान शिविर संस्था के सचिव कमल नयन खण्डेलवाल के स्व. माता पिता की पावन स्मृति में समर्पित होगा । रक्तदान शिविर के लिए कुल 28 रक्तदाता प्रेरक नियुक्त किये गये हैं । सभी प्रेरको को रक्तदान के लिए लोगों को प्रेरित करने की सेवा दी गई है ।शिविर में सभी रक्तदाताओं प्रशंसा पत्र भेंट किये जायेंगे । इस अवसर पर डॉ. माल्या ने "रक्तदान, अंगदान व देहदान का महत्व " विषय पर एक पीपीटी प्रजेन्टेशन भी प्रस्तुत किया । संस्था द्वारा शिविर में रक्त एकत्रित करने के लिए सवाई मानसिंह चिकित्सालय ब्लड बैंक, राजकीय जयपुरिया हॉस्पिटल ब्लड बैंक, तथा स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक की टीमों को आमन्त्रित किया गया है ।शिविर के समानान्तर एक सेमिनार का आयोजन भी किया जायेगा जिसका विषय " रक्तदान, अंगदान व देहदान का महत्व " रखा गया है । विषय पर वक्ता व अतिथि अपने विचार व्यक्त करेंगे । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राजस्थान हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति जितेन्द्र राय गोयल होंगे । इसके अलावा समाज के अनेक प्रतिष्ठित व्यक्तियों को विशिष्ट अतिथि के रूप में आमन्त्रित किया गया है । शिविर मे नेत्रदान व देहदान का भी काउन्टर लगाया जायेगा । यदि कोई नेत्रदान / देहदान करना चाहते है तो संस्था कार्यालय से फ़ॉर्म लेकर उसे पूर्ण करके शिविर के दिन जमा करवा सकते है । रक्तदाताओं के पूर्व रजिस्ट्रेशन के लिए गूगल फ़ॉर्म लिंक https://forms.gle/zWGHuPB4gvH-gZ3rRA तैयार किया गया है। रक्तदाता स्वेच्छा से लिंक पर अपना रजिस्ट्रेशन कर सकते है। 5 से अधिक रक्तदाताओं को मोटिवेट करके रक्तदान करवाने वाले रक्तदाता प्रेरको/ सदस्यो / सामाजिक कार्यकर्ताओं को संस्था के आगामी कार्यक्रम में सम्मान पत्र भेंट कर " रक्तदाता प्रेरक " के रूप में सम्मानित किया जायेगा ।

राजस्थान आवासन मंडल के संचालक मंडल की 250 वीं बोर्ड बैठक

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। प्रमुख शासन सचिव, नगरीय विकास एवं मंडल अध्यक्ष वैभव गालरिया की अध्यक्षता में शुक्रवार को मंडल मुख्यालय में राजस्थान आवासन मंडल के संचालक मंडल की 250 वीं बोर्ड बैठक आयोजित की गई। बैठक में जयपुर के प्रताप नगर योजना में बन रहे माही अपार्टमेंट सेक्टर-23 में एमआईजी-बी के 143 एवं समृद्धि अपार्टमेंट में एमआईजी-ए के 96 फ्लैटों की स्वीकृत की गई निविदाओं के साथ ही मण्डल की अन्य योजनाओं की प्रशासनिक एवं वित्तीय कार्योत्तर स्वीकृति प्रदान की गई।

संचालक मण्डल से स्वीकृति— आवासन आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा ने बताया कि मण्डल की समस्त आवासीय योजनाओं की विकसित भूमि दर वर्ष 2024-25 की अवधि दिनांक 01.07.2024 से 30.06.2025 की एवं शेष अवधि दिनांक 01.01.2024 से 30.06.2024 की संचालक मण्डल की कार्योत्तर स्वीकृति प्रदान की गई।

मिशन मोड में करें नवीन आवासीय योजनाओं का क्रियान्वयन— मण्डल अध्यक्ष वैभव गालरिया ने कहा कि मण्डल में चल रही बुधवार निलामी, प्रीमियम सम्पतियों के ऑक्शन तथा विभिन्न योजनाओं के प्रति आमजन का उत्साह इस बात का प्रमाण है कि आवासन मण्डल आज भी किफायती दरों पर अपने आवास का सपना साकार करने के लिए आमजन की पहली पसंद है और हमें पहली पसंद बने रहने के लिए निरंतर प्रयास जारी रखने होंगे। उन्होंने अधिकारियों एवं अभियंताओं को आमजन के हितार्थ मिशन मोड में भूमि चिन्हिकरण कर नवीन आवासीय योजनाओं को धरातल पर उतारने के निर्देश दिये। इस बैठक में सचिव डॉ. अनिल कुमार पालीवाल, मुख्य नगर नियोजक अनिल माथुर, मुख्य अभियंता टी.एस. मीणा, वित्तीय सलाहकार रोहिताश यादव एवं मुख्य सम्पदा प्रबंधक प्रवीण अग्रवाल सहित अन्य उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

अनुसूचित जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों को बकाया छात्रवृति राशि का भुगतान

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने शुक्रवार को विधानसभा में कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विशेष प्रयासों से अनुसूचित जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों को छात्रवृति देने हेतु केंद्र सरकार से 250 करोड़ रुपए की राशि प्राप्त हुई है। उन्होंने सदन को आश्वस्त किया कि वर्ष 2021-22 से 2023-24 तक की बकाया छात्रवृति राशि का भुगतान मार्च माह के प्रथम सप्ताह तक किया जायेगा। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस सम्बन्ध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017-18 से 2020-21 तक बजट उपलब्धता में कमी होने कारण विगत पांच वर्षों में छात्रवृति का वितरण नहीं हो पाया। इस समयावधि के वित्तीय भार को देखते हुए राज्य सरकार द्वारा केंद्र सरकार को पत्र लिख केन्द्रांश की राशि उपलब्ध कराने हेतु आग्रह किया गया। उन्होंने कहा कि इस छात्रवृति राशि के भुगतान पश्चात केंद्र सरकार को इसका उपयोगिता प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जायेगा। इसके उपरांत केंद्र सरकार से शेष रहे विद्यार्थियों की छात्रवृति हेतु भी केन्द्र द्वारा राशि उपलब्ध करवाई जाएगी। गहलोत ने कहा कि अनुसूचित जनजाति उत्तर मैट्रिक छात्रवृति वर्ष 2024-25 के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 31 मार्च 2025 है। उन्होंने सदन को यह भी आश्वस्त किया कि राज्य सरकार इन आवेदकों को भी छात्रवृति का लाभ समय पर देने और केंद्र सरकार से योजना के तहत निर्धारित बजट प्राप्त करने के प्रयास करेगी। इससे पहले विधायक श्री उमेश मीणा के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने बताया कि अनुसूचित जनजाति उत्तर मैट्रिक छात्रवृति योजनान्तर्गत वर्ष 2024-25 में 99 हजार 457 आवेदन पत्र आनलाईन प्राप्त हुए जो विगत वर्ष 2023-24 की तुलना में 5.61 फीसदी कम है। उन्होंने इसका जिलेवार संख्यात्मक विवरण सदन के पटल पर रखा। गहलोत ने बताया कि अनुसूचित जनजाति उत्तर मैट्रिक छात्रवृति योजना केन्द्र प्रवर्तित योजना होने के कारण उक्त योजना में भारत सरकार के जनजाति कार्य मंत्रालय से भी बजट प्राप्त होता है। योजनान्तर्गत बजट उपलब्धता पर पात्र विद्यार्थियों को छात्रवृति दी जावेगी। उन्होंने बताया कि अनुसूचित जनजाति उत्तर मैट्रिक छात्रवृति योजनान्तर्गत विगत दो वर्षो (वर्ष 2022-23 एवं 2023-24) में बजट उपलब्धता के अनुसार छात्रवृति राशि का भुगतान किया गया है। उन्होंने योजनान्तर्गत विगत दो वर्षो (वर्ष 2022-23 एवं 2023-24) के भुगतान से लम्बित आवेदनों एवं बकाया छात्रवृति राशि का जिलेवार एवं वर्षवार विवरण एवं विगत चार वर्षो (वर्ष 2020-21 से 2023-24) में प्राप्त आवेदन, भुगतान किये गये आवेदन, भुगतान राशि, बकाया आवेदनों का वर्षवार एवं जिलेवार संख्यात्मक विवरण सदन के पटल पर रखा।

छबड़ा में पाइपलाइन के लिए काटी गई सड़कों की मरम्मत का कार्य अगले माह तक होगा पूरा — जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैया लाल चौधरी ने शुक्रवार को विधानसभा में कहा कि छबड़ा विधानसभा क्षेत्र में सड़क की मरम्मत से सम्बंधित शेष सभी कार्य मार्च 2025 तक पूर्ण कर कर दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस कार्य में लापरवाही बरतने वाले संवेदकों के विरुद्ध ठोस कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत छबड़ा विधानसभा क्षेत्र में 48 योजनाओं में पाइपलाइन बिछाने के कार्य में 121 किमी की सड़क काटी गई थी। जिसमें से 117 किमी सड़क की मरम्मत की जा चुकी है। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस सम्बन्ध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र छबड़ा के तहसील छीपाबड़ौद एवं छबड़ा में कुल 361 ग्राम अवस्थित है। जल जीवन मिशन के अंतर्गत इनमें से 48 ग्रामों के लिए योजना बनाकर ओटीएमपी के तहत काम किये गए। उन्होंने कहा कि मिशन के तहत बड़ी योजनाओं के 3 पैकेज की निविदा प्रक्रियाधीन है। इन पैकेज में पंप हाउस एवं फ़िल्टर प्लांट बनाये जाने प्रस्तावित हैं। उन्होंने आश्वस्त किया कि योजना के तहत 504 करोड़ रूपये के कार्यों की योजनाओं की टेंडर प्रक्रिया जल्द ही शुरू कर वर्क आर्डर जारी कर दिए जाएंगे।

इससे पहले विधायक प्रताप सिंह सिंघवी के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र छबड़ा के तहसील छीपाबड़ौद एवं छबड़ा में कुल 361 ग्राम अवस्थित हैं । माह जनवरी-2021 से दिसम्बर-2024 तक की अवधि में इन सभी ग्रामों को जल जीवन मिशन अंतर्गत घर-घर जल संबंध द्वारा लाभान्वित किये जाने की स्वीकृति राज्य स्तरीय योजना स्वीकृति समिति की विभिन्न बैठकों द्वारा जारी की गई है। इनमें से 48 ग्रामों को लाभान्वित किये जाने हेतु 30 अन्य लघु योजनाओं की स्वीकृतियां जारी की गई है। जिनकी स्वीकृति एवं प्रगति का विवरण उन्होंने सदन के पटल पर रखा। उन्होंने बताया कि शेष 313 ग्रामों को सम्मिलित करते हुए बारां, कोटा व झालावाड़ जिलों के 1402 ग्रामों को जल जीवन मिशन अंतर्गत लाभान्वित किये जाने हेतु वृहद पेयजल परियोजना परवन-अकावद की स्वीकृति राज्य स्तरीय योजना स्वीकृति समिति की 27वीं बैठक 03 सितम्बर, 2021 के द्वारा 3523.16 करोड़ रूपये की राशि जारी की गई है। वर्तमान में योजना के क्रियान्वयन हेतु निविदा प्रक्रियाधीन है। उन्होंने योजना में सम्मिलित विधानसभा क्षेत्र छबड़ा के 313 ग्रामों की सूची को सदन के पटल पर रखा। चौधरी ने जानकारी दी कि परियोजना के कार्यों के क्रियान्वयन हेतु 28 अक्टूबर, 2024 को निविदा आमंत्रित कर 5 दिसम्बर, 2024 को निविदा की तकनीकी बिड खोली जा चुकी है। जो वर्तमान में तकनीकी परीक्षण हेतु प्रक्रियाधीन है। उन्होंने बताया कि विधानसभा क्षेत्र छबड़ा में जल जीवन मिशन अंतर्गत स्वीकृत 30 अन्य लघु योजनाओं में से 17 योजनाओं के कार्य पूर्ण किये जा चुके हैं तथा 11 योजनाओं के कार्य प्रगतिरत है। 2 योजनाओं यथा ग्राम कालाटोल व ग्राम धामनिया में भू-जल स्त्रोतों में भू-जल आवक नहीं होने के कारण शेष कार्य नहीं करवाये गये हैं। जनका विवरण उन्होंने सदन के पटल पर रखा।

हनुमानगढ़ जिले में ग्राम सेवा सहकारी समितियों को गोदाम आवंटन में अनियमितता की शिकायत पर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी — सहकारिता राज्य मंत्री

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। सहकारिता मंत्री गौतम कुमार ने शुक्रवार को विधानसभा में कहा कि हनुमानगढ़ जिले में ग्राम सेवा सहकारी समितियों के गोदाम आवंटन प्रकिया में किसी भी प्रकार की अनियमितता की शिकायत पाए जाने पर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सुशासन स्थापित करने की दिशा में राज्य सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य कर रही है। किसी भी माध्यम से अनियमितता सम्बन्धी शिकायत प्राप्त होने पर राज्य सरकार द्वारा त्वरित कार्यवाही की जाती है। सहकारिता राज्य मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस सम्बन्ध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि हनुमानगढ़ जिले में गोदाम निर्माण में पाई गई अनियमितता के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए उसी दिन प्रबंध निदेशक एवं मुख्य प्रबंधक, केंद्रीय सहकारी बैंक, हनुमानगढ़ को निलंबित करते हुए विभागीय कार्यवाही शुरू कर दी गई। इसके अलावा प्रधान कार्यालय स्तर से प्रत्येक जिले में निरीक्षक दलों द्वारा निरीक्षण भी करवाया गया। उन्होंने कहा कि गोदाम निर्माण के कार्यों में पारदर्शिता बनाये रखने एवं किसी भी प्रकार की अनियमितता को रोकने के लिए राज्य सरकार द्वारा समितियों का गठन भी किया गया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की महती योजना 'सहकारी क्षेत्र में दुनिया की सबसे बड़ी अनाज भंडारण योजना' के तहत उन जिलों को प्राथमिकता दी जानी है, जिनमें भण्डारण क्षमता अपेक्षाकृत कम है। भारतीय खाद्य निगम से प्राप्त सूची के अनुसार प्रदेश के श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ एवं कोटा जिले में उपज के अनुपात में भण्डारण क्षमता अपेक्षाकृत कम होने से इन जिलों में भण्डारण निर्माण को प्राथमिकता देते हुए श्रीगंगानगर में 17, हनुमानगढ़ में 15 एवं कोटा में 13 गोदाम स्वीकृत किये हैं। परिणामस्वरूप इन जिलों की भण्डारण क्षमता में बढ़ोतरी हुई है। इससे पहले विधायक संजीव कुमार के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में सहकारिता मंत्री ने बताया कि वर्ष 2024-25 में राजस्थान सरकार की बजट घोषणा अन्तर्गत प्रदेश की 211 ग्राम सेवा सहकारी समितियों में शत-प्रतिशत अनुदान पर गोदाम निर्माण कराया जा रहा है। इस हेतु कुल 3832 लाख रुपए का आवंटन किया गया है। जिसका विवरण उन्होंने सदन के पटल पर रखा। उन्होंने बताया कि ग्राम सेवा सहकारी समितियों में कस्टम हायरिंग सेन्टर की स्थापना हेतु शत प्रतिशत अनुदान के स्थान पर केन्द्र सरकार से लागत के 80 प्रतिशत (अधिकतम रुपए 8 लाख) तक की वित्तीय सहायता दी जाती है। वर्ष 204-25 के दौरान प्रदेश में 80 कस्टम हायरिंग सेन्टरों की स्थापना की गई। इस हेतु 640 लाख रुपए का आवंटन किया गया है। जिसका विवरण उन्होंने सदन के पटल पर रखा। उन्होंने बताया कि हनुमानगढ जिले में उक्त योजनान्तर्गत 15 ग्राम सेवा सहकारी समितियों में 500 मेट्रिक टन के गोदामों के निर्माण हेतु (प्रति गोदाम 25.00 लाख रुपए) एवं 03 ग्राम सेवा सहकारी समितियों में 100 मेट्रिक टन के गोदाम निर्माण हेतु (प्रति गोदाम 12.00 लाख रुपए) कुल 411.00 लाख रुपए स्वीकृत किए गए हैं। जिसका विवरण उन्होंने सदन के पटल पर रखा। उन्होंने जानकारी दी कि 1 कस्टम हायरिंग सेन्टर (ग्राम सेवा सहकारी समिति थालडका) हेतु 08.00 लाख रुपए का आवंटन किया गया है। सहकारिता राज्य मंत्री ने बताया कि समितियों के पास वैध स्वामित्व वाली भूमि उपलब्ध होने एवं संबंधित केन्द्रीय सहकारी बैंक की अनुशंषा सहित प्रस्ताव प्राप्त होने पर तत्समय उपलब्ध बजट के आधार पर गोदाम निर्माण की स्वीकृति जारी कर आवंटन किया जाता है। कृषि विभाग द्वारा समय-समय पर जारी दिशा निर्देशों के अनुसार केन्द्रीय सहकारी बैंकों की अनुशंषा सहित प्रस्ताव प्राप्त होने पर उपलब्ध बजट के आधार पर स्वीकृति जारी कर कस्टम हायरिंग सेन्टर का आवंटन किया गया है। उन्होंने बताया कि उक्त आवंटन बाबत् ग्राम सेवा सहकारी समितियों से प्रस्ताव मांगे गये थे। केन्द्रीय सहकारी बैंक हनुमानगढ द्वारा उक्त जिले की 18 ग्राम सेवा सहकारी समितियों से गोदाम निर्माण के प्रस्ताव भिजवाये गये जिनकी स्वीकृति जारी की जा चुकी है। कस्टम हायरिंग केन्द्र का 1 प्रस्ताव प्राप्त हुआ जिसको स्वीकृत किया जा चुका है। समितियों के पास वैध स्वामित्व वाली भूमि उपलब्ध होने एवं संबंधित केन्द्रीय सहकारी बैंक की अनुशंषा सहित प्रस्ताव प्राप्त होने पर तत्समय उपलब्ध बजट के आधार पर गोदाम निर्माण की स्वीकृति पर विचार किया जाता है।

अवैध खनन, निर्गमन, भण्डारण के विरुद्ध हो प्रभावी कार्यवाही : जिला कलक्टर

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। अवैध खनन, निर्गमन, भण्डारण की प्रभावी रोकथाम एवं मॉनिटरिंग के लिए गठित जिला स्तरीय टास्क फोर्स समिति की बैठक शुक्रवार को जिला कलक्टर शुभम चौधरी की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई।

जिला कलक्टर ने खान विभाग द्वारा पुलिस विभाग के साथ संयुक्त रूप से की गई कार्यवाही की प्रगति के बारे में चर्चा कर जानकारी ली। उन्होंने सभी अधिकारियों को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए अवैध खनन, निर्गमन, भण्डारण के विरूद्ध संयुक्त रूप से प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित कर पालना रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश प्रदान किए है।

उन्होंने वन विभाग के अधिकारी को उनके क्षेत्र में हो रहे अवैध खनन को रोकने के लिए पुलिस एवं अन्य विभागों की सहायता से प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला परिवहन अधिकारी से कार्ययोजना बनाकर अवैध बजरी खनन, निर्गमन, भण्डारण लिप्त वाहनों/ मशीनरी पर कार्यवाही करते हुए वसूली की कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

उन्होंने समस्त उपखण्ड अधिकारियों एवं तहसीलदारों को निर्देश दिए कि अवैध खनन, निर्गमन, भण्डारण के विरूद्ध कार्ययोजना तैयार कर आकस्मिक छापामारी करते हुए प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करें। इस दौरान समस्त उपखण्ड अधिकारी एवं तहसीलदारों द्वारा उनके क्षेत्राधिकार में अवैध खनन, निर्गमन, भण्डारण की स्थिति के संबंध में जिला कलक्टर को अवगत कराया गया। इस दौरान उन्होंने रोड एक्ट, भू-राजस्व, एलआर एक्ट के प्रकरणों की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों से जानकारी प्राप्त कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर संजय शर्मा, सहायक कलक्टर रूबी अंसार, समस्त उपखण्ड अधिकारी, समस्त तहसीलदार उपस्थित रहे।

जिला कारागृह का साप्ताहिक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर के निर्देशानुसार शुक्रवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव समीक्षा गौतम ने जिला कारागृह सवाई माधोपुर का साप्ताहिक निरीक्षण कर मौके पर उपस्थित जेलर महावीर प्रसाद मीना से बंदियों को प्रदान भोजन, पेयजल, चिकित्सकीय सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली गई।

निरीक्षण के दौरान बंदियों को प्रदान मूलभूत सुविधाएं एवं कारागृह परिसर की साफ-सफाई संतोषजनक पाई गई। सचिव समीक्षा गौतम द्वारा उपस्थित बंदीजन से जेल प्रशासन की व्यवस्थाओं, कानूनी प्रतिनिधित्व हेतु अधिवक्ता की उपलब्धता, उनके संबंधित मुकदमों की ताजा अपडेट आदि के बारे में पूछताछ की गई। साथ ही उनकी समस्याओं को सुना। निरीक्षण के दौरान कारागृह में कुल 97 बंदी उपस्थित पाये गए। दौराने निरीक्षण सचिव समीक्षा गौतम द्वारा प्रिजन लीगल एड क्लीनिक का विजिट कर जेल विजिटिंग लॉयर एवं जेल विजिटिंग अधिकार मित्र द्वारा जेल में निरूद्ध बंदियों को प्रदान निःशुल्क विधिक सहायता के संबंध में की गई कार्यवाही के संबंध में पूछताछ की गई एवं उपस्थित बंदीजन को बंदियो एवं विधि से संघर्षरत किशोरों के कल्याण की योजना, नालसा टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 15100, नालसा पोर्टल आदि के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर चीफ लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल (न्याय रक्षक) राधेश्याम जोगी, अधिकार मित्र सुनिता जोनवाल एवं जेल स्टाफकर्मी उपस्थित रहे।

वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा शनिवार को रानी खुर्द दौरे पर रहेंगे

पाली, (रॉयल पत्रिका)। वन, पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री संजय शर्मा पाली जिले की एक दिवसीय यात्रा कार्यक्रम के तहत शनिवार को रानी खुर्द आएंगे।

निर्धारित कार्यक्रमानुसार राज्य मंत्री शर्मा शनिवार को प्रातः 8 बजे जयपुर से प्रस्थान कर दोपहर 1:30 बजे ग्राम रानी खुर्द पहुंचेंगे जहां वे रेंज अधिकारी के निधन पर शोक संवेदना प्रकट कर श्रृद्धा सुमन अर्पित करेंगे। वे दोपहर 2 बजे रानी खुर्द गांव से जयपुर के लिए प्रस्थान कर जाएंगे।

जिला स्तरीय पर्यटन विकास समिति की बैठक आयोजित

-पर्यटन स्थलों के संरक्षण व विकास कार्यों को लेकर दिए निर्देश

बारां, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट परिसर कार्यालय में जिला स्तरीय पर्यटन विकास समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। उन्होंने बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन व जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों के संरक्षण एवं विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

शेरगढ़ किला और शाहाबाद किले के विकास पर विशेष ध्यानः-

जिला कलक्टर ने शेरगढ़ किले के संरक्षण और विकास को प्राथमिकता देते हुए आवश्यक कार्यों को लेकर चर्चा की। सोरसन अभयारण्य में सफारी शुरू करने और शेरगढ़ किला विकास समिति के गठन को लेकर निर्देश दिए गए। वहीं, शेरगढ़ किले में दो सुरक्षा गार्ड नियुक्त करने और आवश्यक मरम्मत कार्य कराने का निर्णय लिया गया। इसके अलावा, नदी में बोटिंग सुविधा शुरू करने को लेकर भी चर्चा की गई। वहीं, शाहाबाद किले के प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा करते हुए उन्होंने मुण्डियर-राजपुर रोड से किले तक तीन किलोमीटर ग्रेवल रोड की शीघ्र मरम्मत के निर्देश दिए। साथ ही, किले में पर्यटकों के लिए दिशा-निर्देश संबंधी साइनबोर्ड लगाने, प्रवेश स्थल पर दर सूची प्रदर्शित करने और नवलवान तोप के सामने दीवार संबंधी आवश्यक कदम उठाने को कहा गया, ताकि पर्यटक प्राकृतिक दृश्यों को सही से निहार सकें। जिला कलक्टर ने सीताबाड़ी, भण्डदेवरा मंदिर, बिलासगढ़, चारखंभा सहित अन्य पर्यटन स्थलों के विकास कार्यों की प्रगति को लेकर निर्देश दिए। उन्होंने सीताबाड़ी में संरक्षण एवं विकास कार्यों के लिए समिति गठित कर शीघ्र निर्णय लेने की बात कही गई। रामगढ़ क्रेटर के कार्यों को तय समय सीमा में पूरा करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में सहरिया म्यूजियम निर्माण, पर्यटन स्थलों पर साइनबोर्ड लगाने, खाद्य कला संस्थान बारां के निर्माण कार्यों की प्रगति की, साथ ही, एनटीपीसी अन्ता द्वारा बारां जिले के बाहरी पर्यटन स्थलों के विकास में सहयोग देने पर विचार किया गया। बैठक में एडीएम शाहाबाद जबर सिंह, पर्यटन विभाग के सहायक निदेशक सिराज कुरैशी, कोटा डीएफओ अनुराग भटनागर, खाद्य कला संस्थान की ओएसडी रजनी कुमारी सहित कई अधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कार्यस्थलों पर महिलाओं की सुरक्षा को लेकर राज्य सरकार सख्त

बारां, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुसार महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए राज्य सरकार ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। जिले के सभी सरकारी कार्यालयों, सार्वजनिक उपक्रमों और संस्थानों में कार्यस्थल पर महिलाओं से लैंगिक उत्पीड़न संबंधी शिकायतों के निवारण के लिए आंतरिक शिकायत समिति के गठन के निर्देश जारी किए गए हैं। जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने सभी विभागाध्यक्षों को अपने-अपने कार्यालयों में आंतरिक शिकायत समिति गठित करने के निर्देश दिए हैं। जिन कार्यालयों में 10 या अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं, उन्हें पांच दिन के भीतर समिति का गठन अनिवार्य रूप से करना होगा। इस संबंध में रिपोर्ट संबंधित विभाग को सौंपनी होगी।

उल्लंघन पर लगेगा दंडः-

महिला अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक राकेश कुमार वर्मा ने बताया कि यदि कोई कार्यालय इस नियम का पालन नहीं करता है, तो अधिनियम की धारा 26 (1) (ए) के तहत अधिकतम 50,000 रुपए तक का दंड लगाया जा सकता है। साथ ही, यदि किसी कार्यालय की आंतरिक शिकायत समिति तीन वर्ष या अधिक पुरानी हो चुकी है, तो उसे अधिनियम के अनुसार पुनर्गठित किया जाएगा। महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी ब्लॉक व तहसील स्तर पर तहसीलदार तथा शहरी क्षेत्रों में नगर परिषद व नगरपालिका के आयुक्त को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसके अलावा, संबंधित एसडीएम को अपने क्षेत्र में समितियों के गठन व उनकी मॉनीटरिंग की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

सभी कार्यालयों को समिति गठित कर निर्धारित प्रपत्र में सूचना भरकर विभाग के ई-मेल पर भेजनी होगी। यदि समिति में कोई पदाधिकारी स्थानांतरित होता है, तो उसकी जगह नया सदस्य मनोनीत किया जाएगा। राज्य सरकार के इस फैसले से महिलाओं को कार्यस्थल पर सुरक्षित वातावरण मिलेगा और लैंगिक उत्पीड़न की शिकायतों का समय पर निवारण सुनिश्चित होगा।

जिले में किसानों के लिए फार्मर रजिस्ट्री शिविरों का आयोजन जारी

बारां, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार एवं जिला कलक्टर के नेतृत्व में फार्मर आईडी पंजीकरण के लिए ग्राम पंचायत पाठेड़ा, मियाड़ा फतेहपुर, कोटडापार, गोडियामेहर, हान्याहेडी, फुलबड़ौदा, मानपुरा, अमलावदाआली, मालबमोरी, रायथल, किशनपुरा, गोरधनपुरा, अर्डान्द, बड़ौरा, बमूलिया, अमलसरा, बालदड़ा एवं सिमलोद, खण्डेल व बिलासगढ़ में शिविरों का निरन्तर आयोजन किया जा रहा है। एग्रीस्टेक योजना के तहत आयोजित इन शिविरों में किसानों के फार्मर आईडी कार्ड बनाकर वितरित किए जा रहे हैं। जिले में अब तक फार्मर रजिस्ट्री शिविरों में 37513 किसानों का पंजीयन किया गया है। जिले में फार्मर रजिस्ट्री शिविर के तहत अब तक बारां में 7566, छबड़ा में 7254, छीपाबड़ौद में 4634, मांगरोल में 5224, अटरू में 4888, अंता में 4509 एवं किशनगंज में 3438 सहित कुल 37513 किसानों को डिजिटल आईडी जारी किया गया है।

3 मार्च से 5 मार्च तक शिविर यहां होंगे आयोजितः-

सोमवार से बारां में ग्राम पंचायम सीमली, लिसाडिया, करनाहेड़ा, कोयला, अंता में ठीकरिया, पचेलकलां, खजूरनाकलां, बड़गांव, मांगरोल में बमोरीकलां, भटवाड़ा, जलोदातेजाजी, हिगोनियां, छबड़ा में घाटाखेड़ी, पचपाड़ा, भूवाखेड़ी, दिलोद, छीपाबड़ौद में छीपाबड़ौद, गगचाना, सारथल, सहजनपुर, अटरु में जीरोद, किशनपुरा, कटावर, दड़ा, किशनगंज में जलवाड़ा, ख्वादा, गरड़ा और बकनपुरा में शिविर आयोजित होंगे।

जिला कलक्टर ने रात्रि चौपाल में सुनी परिवादियों की परिवेदनाएं

- रात्रि चौपाल में परिवादी कंचनी देवी को मिली पेंशन स्वीकृति

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुरूप आमजन की समस्याओं की सुनवाई एवं त्वरित समाधान व निराकरण की दृष्टि से जिला कलक्टर शुभम चौधरी की अध्यक्षता में एवं पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता की उपस्थिति में गुरूवार को पंचायत समिति सवाई माधोपुर की ग्राम पंचायत हिम्मतपुरा में रात्रि चौपाल का आयोजन हुआ। जिला कलक्टर ने रात्रि चौपाल में ग्रामीणों को एग्रीस्टैक योजना अंतर्गत फॉर्मर रजिस्ट्री शिविर में शत-प्रतिशत रजिस्ट्रेशन करवाने, प्रधानमंत्री आवास योजना, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना सहित सरकार की अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे जागरूक रहकर सरकारी योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने आमजन की समस्याओं के निराकरण हेतु विभागीय अधिकारियों को संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए सड़क, बिजली, पेयजल संबंधी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश प्रदान किए है। इस दौरान उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के अन्तर्गत आवेदन करने की प्रक्रिया की सम्पूर्ण जानकारी प्रदान की। इस साथ ही उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों से उनके घरो से निकलने वाले कचरे का उचित निस्तारण करने के साथ-साथ पेयजल की व्यर्थ न बहाने एवं स्वच्छ भारत मिशन में भागीदारी निभाने की अपील की। रात्रि चौपाल में परिवादी कंचनी देवी ने जिला कलक्टर को पेंशन नहीं मिलने के बारे में अवगत कराया, जिस पर जिला कलक्टर के निर्देशानुसार विकास अधिकारी जगदीश प्रसाद मीणा ने तुरंत आवेदन तैयार करते हुए सत्यापन उपरांत मौके पर ही पेंशन जारी कर पेंशन पीपीओ वितरित करवाया। इस दौरान चार पेंशनों की स्वीकृतियां मौके पर ही जारी की गई। वहीं आम रास्तों पर अतिक्रमण की शिकायत को गम्भीरता से लेते हुए तहसीलदार को मौका मुआयना कर त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश प्रदान किए।इस दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलवाने, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना का लाभ दिलवाने, आम रास्तों से अतिक्रमण हटवाने, सीमाज्ञान करवाने, खाद्य सुरक्षा सूची में नाम जुड़वाने सहित कुल 20 परिवाद प्राप्त हुए। इस दौरान जिला कलक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने उपस्थित सभी बच्चों से संवाद कर बेहतर करियर निर्माण हेतु मार्गदर्शन प्रदान किया। साथ ही भविष्य में सफलता हासिल करने के लिए लक्ष्य निर्धारित कर कठिन परिश्रम करने की बात कहीं। उन्होंने सभी बच्चों से सवाल जवाब कर चॉकलेट वितरित की। रात्रि चौपाल में मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव बुडानिया, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी शेलेन्द्र सिंह, विकास अधिकारी जगदीश प्रसाद मीणा, सीएमएचओ डॉ. अनिल जैमिनी, तहसीलदार सवाई माधोपुर नीरू सिंह, अधीक्षण अभियंता विद्युत विभाग बीएल मीणा, अधीक्षण अभियंता जलदाय विभाग भगवान सहाय सहित जिला एवं ब्लाक स्तरीय अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण रहे उपस्थित।

वित्तीय साक्षरता की विकास शील अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। भारतीय रिज़र्व बैंक के वित्तीय साक्षरता सप्ताह के दौरान वित्तीय समझदारी, समृद्ध नारी थीम पर कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सवाई माधोपुर में जिला अग्रणी कार्यालय सवाई माधोपुर द्वारा वित्तीय साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। सहायक अग्रणी प्रबन्धक रानू चांदना ने बताया कि अस्पताल में प्रशिक्षु महिलाओ एवं स्टाफ को आरबीआई वित्तीय साक्षरता सप्ताह के अन्तर्गत बैंक सेवाओं की जानकारी प्रदान की गई। इस दौरान गैर जरूरी खर्चों में कटौती कैसे करे, सैलरी आने पर सबसे पहले बचत करें, निवेश करना, महीने के बजट बनाकर बचत करना आदि पर चर्चा कर जानकारी प्रदान की गई। साथ ही अपनी प्राथमिकता सही तरह से निर्धारित करें और वित्तीय अनुशासन का पालन करने पर जोर दिया गया। उन्होंने बताया कि वित्तीय साक्षरता आज विकास शील अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। वित्तीय साक्षरता व्यक्तिगत प्रबंध के जटिल परिदृश्य को समझने और निवेश के लिए सही विकल्प चुनने में मददगार होती है।

आंतरिक शिकायत समितियों का गठन एवं पुनर्गठन की सूचना शीघ्र भिजवाएं

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीडन अधिनियम के अन्तर्गत समस्त जिला स्तरीय एवं उनके अधीनस्थ कार्यालयो राजकीय, निजी, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, विद्यालय, महाविद्यालय, चिकित्सा संस्थानों, औद्योगिक ईकाईयां, क्रय-विक्रय सहकारी समितियां, होटल, छात्रावासों इत्यादि जिनमें 10 या 10 से अधिक कार्मिक (जिला कार्यालय एवं उसके अधीन संचालित कार्यालय/इकाईयों को सम्मिलित करते हुए) कार्यरत है, उनमें आंतरिक शिकायत समितियों का गठन एवं 3 वर्ष उपरांत पुनर्गठन अनिवार्य रूप से किया जाना है।

उप निदेशक महिला अधिकारिता अमित गुप्ता ने बताया कि इस सम्बन्ध में राज्य सरकार द्वारा माननीय उच्चतम न्यायालय में 31 मार्च, 2025 तक सर्वे रिपोर्ट प्रस्तुत की जानी है। उन्होंने बताया कि जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों स्वयं के तथा अधीनस्थ राजकीय, निजी, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, विद्यालय, महाविद्यालय, चिकित्सा संस्थानों, औद्योगिक ईकाईयां, क्रय-विक्रय सहकारी समितियां, होटल, छात्रावासों इत्यादि में आंतरिक शिकायत समितियों का गठन अथवा 3 वर्ष पश्चात् पुनर्गठन करवाकर सूचना महिला अधिकारिता विभाग, सवाई माधोपुर की ई-मेल आईडी SMADHOPUR.WE@RAJASTHAN.GOV.IN पर भिजवाए। उन्होंने बताया कि आंतरिक शिकायत समिति में महिला अध्यक्ष सहित न्यूनतम 4 सदस्यों का होना तथा कम से कम 50 प्रतिशत महिला सदस्य होना आवश्यक है। नियोक्ता द्वारा आंतरिक शिकायत समिति के गठन की सूचना अध्यक्ष व सदस्यों के मोबाईल नम्बर सहित कार्यस्थल पर प्रदर्शित किया जाना अनिवार्य है। अधिनियम अन्तर्गत आंतरिक शिकायत समिति का गठन नहीं किए जाने पर नियोक्ता को 50 हजार रूपये तक के जुर्माने से दण्डित किए जाने का प्रावधान है। निजी संस्थानों को https://shebox.wcd.gov.in पर जाकर प्राईवेट हैड ऑफिस रजिस्ट्रेशन में अपना विवरण भरकर सबमिट करना होगा। सम्बन्धित प्रपत्र एवं नियमों की अधिक जानकारी के लिए विभाग की बेवसाईट https://wcd.rajasthan.gov.in तथा https://shebox.wcd.gov.in से प्राप्त कर सकते हैं।

जिला कलेक्टर मंत्री ने गुडा मांगलियान में मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे को लेकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया

पाली, (रॉयल पत्रिका)। पाली जिले के देसूरी क्षेत्र के गुडा मांगलियान में आयोजित कृष्णधाम में विष्णु महायज्ञ कार्यक्रम के तहत सिक्किम राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर एवं मुख्यमंत्री भजनलाल के प्रस्तावित यात्रा कार्य के अंतर्गत जिला कलक्टर एलएन मंत्री ने शुक्रवार को गुडा मांगलियान के कार्यक्रम की तैयारियों व व्यवस्थाओं का जायजा लिया। देसूरी के गुडा मांगलियान में प्रस्तावित दौरे को लेकर व्यवस्थाओं व तैयारियों का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

सहकारिता में जागरूकता एवं सदस्यता कार्यशाला का आयोजन

पाली (रॉयल पत्रिका)। केन्द्रीय सहकारी बैंक पाली के प्रधान कार्यालय में राजस्थान सहकारी शिक्षा एवं प्रबन्ध संस्थान (राइसेम), जयपुर द्वारा सहकारी समितियों के व्यवसाय विविधिकरण के लिए किए जाने वाले संभावित नवाचारों एवं अन्य सामूहिक विषयो पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में राईसेम, जयपुर से प्रशिक्षण के लिए आए सहायक रजिस्ट्रार राजकुमार शर्मा ने समिति व्यवस्थापकों से समिति में लिए जा सकने वाले संभावित नवाचारों, यथा सहकारी समितियों को मल्टी स्टेट सोसायटियों एनईसीईएल, एनओसीईएल, बीबीएसएसएल की सदस्यता लेने पोर्टल पर समितियों का रजिस्ट्रेशन करने समितियों को एलपीजी वितरण एजेंसी, पेट्रोल पम्प के लिए आवेदन करने, समितियों को खाद-बीज व कीटनाशक लाईसेंस लेने की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से समझाया गया। बजट घोषणा में सहकारिता विभाग से संबंधित घोषणाओं से संबंधित गोदाम निर्माण, कस्टम हायरिंग सेन्टर आदि के प्रस्ताव इत्यादि संपूर्ण तैयार कर अतिशीघ्र प्रधान कार्यालय में भिजवाने के लिए समिति व्यवस्थापकों को पाबंद किया गया।

बाद में दी पाली सैन्ट्रल को-ऑपरेटिव बैंक में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष मनाया गया। जिसमें दी पाली सैन्ट्रल को-ऑपरेटिव बैंक के प्रबन्ध निदेशक प्रशान्त कल्ला ने बताया कि भारत में बढती सहकारिता से जीवन एवं आर्थिक स्तर ऊँचा उठाने में सहकारिता का योगदान के बारे में सरकार की योजनाओं का लाभ उठाने हेतु प्रेरित किया। इस क्रम में सरकार की विभिन्न योजनाओ के साथ ऐग्रीस्टेक केम्प में पीएम किसान सम्मान निधि प्राप्त करने वाले लाभर्थियो को केम्प में जाकर फार्मर आईडी बनवाने हेतु प्रेरित करने के लिए निर्देशित किया। अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष का व्यापक प्रचार-प्रसार कर सहकारिता हेतु काश्तकारो के समक्ष नये व्यवसायिक कार्य किये जाने पर चर्चा करने हेतु प्रेरित किया।

पाली अरबन को-ऑपरेटिव बैंक के सचिव फतेह सिंह राजपुरोहित ने सहकारिता के माध्यम से पुरानी पद्धति से हटकर नयी चीजो एवं तकनीकी से जुडकर नये तरीको से को धरातल पर लाकर सक्षम कार्य करवाने हेतु प्रेरित किया उन्होने बताया कि अरबन ऑपरेटिव बैंक एवं रेडक्रास सोसायटी से मिलकर 51 युनिट ब्लड डोनेशन करवाया है। इसके साथ ही उन्होने कहा की कम दर अमानत पर लाभकारिता बढाना ही अब सहकारिता का उद्देश्य होना चाहिए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं अध्यक्ष भण्डार त्रिभुवन सिंह मण्डली ने कहा की अर्श से फर्श तक हर कार्यवाही सहकारिता से संभव है अतः अपना पूर्ण समय अपने कार्य को दे तो पता चलेगा कि भी कार्य सहकारिता के बगैर पूर्ण नही हो सकता घाहे नरेगा हो या बैंक। राज्य स्तर पर सम्मानित जसवीर सिंह व्यवस्थापक जाऊन सहकारी समिति ने भी अपने विचार प्रस्तुत किये। शिवमंगल सिंह व्यवस्थापक खोखरा, रानी सिंह सोढा ने सरस पशु आहर एवं सरस की डेयरी की योजनाओं तथा बुथ हेतु सहयोग लेने का अहवान किया।कार्यक्रम में बैंक अधिशाषी अधिकारी किशोरीलाल मेवाड़ा, अतिरिक्त अधिशाषी अधिकारी जोगेन्द्र सिंह उप रजिस्ट्रार सहकारी समितियों से रूपाराम खारवाल एवं बैंक अधिकारी अतुल पुरोहित, धर्मेन्द्र कुमावत एवं पुनीत उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री युवा संबंल योजना के तहत इन्टर्न का किया भौतिक सत्यापन

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। सहायक निदेशक जिला रोजगार सवाई माधोपुर विवेक भारद्वाज के निर्देशानुसार निरीक्षण अधिकारी पंकज मीणा ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री युवा संबंल योजना के अन्तर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मानटाउन सवाई माधोपुर, जिला रसद कार्यालय सवाई माधोपुर, सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय कार्यालय सवाई माधोपुर सहित विभिन्न विभागों में इन्टर्नशिप करने वाले इन्टर्न का भौतिक सत्यापन किया। इस दौरान उन्होंने इन्टर्न उपस्थिति पंजिका की जांच कर आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए।

कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत रहेंगे दो दिवसीय सुमेरपुर दौरे पर

पाली, (रॉयल पत्रिका)। पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत पाली जिले की दो दिवसीय यात्रा कार्यक्रम के तहत एक मार्च को सुमेरपुर दौरे पर रहेंगे। निर्धारित कार्यक्रमानुसार कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत एक मार्च को प्रातः 10 बजे जोधपुर से प्रस्थान कर दोपहर 2:30 बजे भाटून्द पहुंचेंगे जहां वे ब्लॉक स्तरीय उच्च माध्यमिक संस्था प्रधान सत्रांक वाकपीठ में भाग लेंगे। वे सायं 4 बजे भाटून्द से रवाना होकर 4:45 बजे सिन्दरू पहुंच स्थानीय कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। वे सायं 6 बजे सिन्दरू से रवाना होकर सायं 06:30 बजे तखतगढ़ स्थानीय कार्यक्रम में भाग लेंगे तथा रात्रि में सायं 8 बजे सिन्दरू से सुमेरपुर के लिए रवाना होंगे जहां वे रात्रि विश्राम करेंगे। मंत्री कुमावत 2 मार्च को प्रातः 10 बजे सुमेरपुर से रवाना होकर सवेरे 10:30 बजे भागली में हिंगलाज माताजी मंदिर कार्यक्रम सम्मिलित होंगे। वे प्रातः 12:05 बजे भागली से रवाना होकर दोपहर 12:45 बजे गुड़ा मांगलियान पहुंचेंगे जहां वे कृष्ण धाम गुड़ा मांगलियान में विष्णु महायज्ञ कार्यक्रम में भाग लेंगे। वे दोपहर 2:30 बजे गुड़ा मांगलिया से रवाना होकर सायं 4 बजे सिरोही पहुंचेंगे तथा सायं 5 बजे सिरोही से प्रस्थान कर सायं 6:30 बजे बाली पहुंचेंगे जहां वे पारिवारिक शादी समारोह में भाग लेंगे तथा रात्रि 7:30 बजे बाली से जयपुर के लिए प्रस्थान कर जाएंगे।

कलक्टर मंत्री ने रीट के विभिन्न परीक्षा सेंटर का किया निरीक्षण

पाली, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर एलएन मंत्री ने आज शुक्रवार को माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित रीट राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर जायजा लिया। जिला कलक्टर मंत्री ने ट्रेजरी ऑफिस उसके बाद गवर्मेंट गर्ल्स कॉलेज, सज्जन महाविद्यालय मानपुरा भाकरी इत्यादि सेंटरों का निरीक्षण किया और जायजा लिया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न व्यवस्थाऐं देखी और आवश्यक निर्देश दिये। इस अवसर पर जिला पुलिस अधीक्षक चुनाराम जाट भी उनके साथ मौजूद रहे।

3 ई-मित्र कियास्कों धारको को नोटिस

झुंझुनू, (रॉयल पत्रिका)। सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग के सिंघाना ब्लॉक द्वारा ई-गवर्नेन्स की बेहतर सुविधा देने के लिए ई-मित्र कियोस्कों पर पाई जाने वाली कमियों को दूर करने के लिए फरवरी 2025 में ब्लॉक में संचालित ई-मित्रो व आधार केन्द्रों की त्रैमासिक जांच एवं अधिक वसूली की जांच के लिए टीम बनाकर कुल 16 कियोस्कों का औचक निरीक्षण किया गया। ब्लॉक प्रोग्रामर विजेन्द्र कुमार सैनी ने बताया कि निरीक्षण में कुल 03 कियोस्कों पर अनियमितता पाई गई। जिसमें से 2 कियोस्कों पर ई-मित्र की सेवा देते समय आई.डी. कार्ड नहीं पहनने व अन्य एक कियोस्क बिना सूचना के निर्धारित स्थान पर बन्द मिलने की अनियमितता पाई गई। इस पर 2 कियोस्कों पर ऑनलाइन पेनल्टी लगाई जाकर सभी को नोटिस जारी किया गया। जांच दल मे सुनिल कुमार सैनी व ललित कुमार सूचना सहायक शामिल रहे।

चीन और पाकिस्तान के हाथ लगा सोने का बड़ा भंडार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पड़ोसी देश चीन और पाकिस्तान को हाल में सोने के बड़े भंडार मिले हैं। इससे इन दोनों देशों की इकॉनमी का कायापलट हो सकता है। पाकिस्तान लंबे समय से आर्थिक

बदहाली से जूझ रहा है जबकि चीन की इकॉनमी भी कई मोर्चों पर संघर्ष कर रही है। साथ ही इन खोजों से दुनियाभर में सोने की कीमतों पर भी असर पड़ सकता है। हाल के दिनों में सोने की कीमत में भारी तेजी आई है। भारत, चीन और तुर्की समेत दुनिया के कई देशों के सेंट्रल बैंक अपने फॉरेक्स में गोल्ड की मात्रा बढ़ा रहे हैं ताकि अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम की जा सके। इन देशों ने लगातार तीसरे साल 1000 टन से अधिक सोना खरीदा है।

पाकिस्तान का गोल्ड रिजर्व

इसी तरह पाकिस्तान में भी सोने की बड़ी खदानें मिली हैं। पंजाब प्रांत के खनन मंत्री शेर अली गोरचानी ने दावा किया है कि अटक क्षेत्र में 2.8 मिलियन तोला सोना है। इसकी कीमत करीब 700 अरब रुपये है। साथ ही सिंध और काबुल नदी के संगम पर भी सोना होने का अनुमान है। वहां अवैध खुदाई हो रही थी जिसके बाद सरकार ने दखल दिया। पाकिस्तान के भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार देश में 1.6 अरब टन सोना है। देश का ज्यादातर सोना अशांत बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में है। फिलहाल पाकिस्तान में हर साल सिर्फ 1.5-2 टन सोना निकाला जाता है। माना जा रहा है कि बलूचिस्तान में रेको डिक प्रोजेक्ट से अगले दशक तक सालाना 8-10 टन सोना निकाला जा सकेगा। अगर पाकिस्तान अपने सोने का सही इस्तेमाल कर पाया, तो उसकी इकॉनमी मजबूत हो सकती है। इससे उसका विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ सकता है और विदेशी कर्ज पर निर्भरता कम हो सकती है।

लेकिन राजनीतिक तनाव और खनन के लिए जरूरी इन्फ्रास्ट्रक्चर नहीं होने के कारण पाकिस्तान को अपने सोने का पूरा फायदा उठाने में मुश्किल हो सकती है। पाकिस्तान पिछले कुछ समय से आर्थिक बदहाली से जूझ रहा है।

यूनिवर्सल पेंशन: 18 साल से अधिक उम्र के सभी लोग ले सकेंगे लाभ

स्वैच्छिक व अंशदायी योजना; रोजगार का बंधन नहीं

नई दिल्ली। सरकार 18 साल से अधिक उम्र के सभी लोगों को पेंशन के दायरे में लाने की तैयारी कर रही है। यूनिवर्सल पेंशन योजना में सभी तरह के कामगारों को पेंशन मिलेगी। इसमें संगठित और असंगठित दोनों क्षेत्र के कर्मचारी शामिल होंगे। फिलहाल, असंगठित क्षेत्र के लोगों जैसे निर्माण श्रमिक, घरेलू कर्मचारी और दिहाड़ी श्रमिक सरकार की किसी भी पेंशन के दायरे से बाहर हैं। यह योजना स्वैच्छिक और अंशदायी होगी। रोजगार से बंधी नहीं होगी। इसलिए, योजना हर किसी के लिए योगदान और पेंशन अर्जित करने के लिए खुली होगी।

श्रम मंत्रालय के मुताबिक, इसके लिए शेयरधारकों से जल्द राय-मशविरा किया जाएगा। योजना सभी वेतनभोगी कर्मचारियों और खुद रोजगार करने वालों लोगों के लिए भी होगी। हालांकि, इस नए प्रस्ताव और कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) जैसी मौजूदा योजनाओं के बीच महत्वपूर्ण अंतर यह है कि योगदान स्वैच्छिक आधार पर होगा और सरकार कोई योगदान नहीं देगी। इसका मतलब है कि योजना में 18 साल का कोई भी नागरिक स्वैच्छिक आधार पर शामिल हो सकता है, जो 60 वर्ष की आयु के बाद पेंशन लेना चाहता है। सूत्रों के मुताबिक, कुछ मौजूदा योजनाओं को शामिल कर पेंशन/बचत ढांचे को सुव्यवस्थित करने का भी लक्ष्य है।

असंगठित क्षेत्र के लिए कई योजनाएं- असंगठित क्षेत्र के लिए सरकार की कई पेंशन योजनाएं हैं। इनमें अटल पेंशन योजना निवेशक की उम्र 60 वर्ष पूरी होने के बाद 1,000 से 1,500 रुपये का मासिक रिटर्न देती है।

- **मौजूदा केंद्रीय योजनाओं में शामिल करने का लक्ष्य-** इस पहल का उद्देश्य पूरे समाज में पेंशन कवरेज का विस्तार करते हुए प्रक्रियाओं को सरल बनाने के लिए मौजूदा केंद्रीय योजनाओं को शामिल करना है।

सरकार पीएम-एसवाईएम और एनपीएस ट्रेडर्स सहित विभिन्न पेंशन कार्यक्रमों को एक योजना में समेकित करने पर विचार कर रही है। ये वैकल्पिक कार्यक्रम 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के ग्राहकों को सरकारी फंडिंग के अनुरूप 55 से 200 रुपये तक के योगदान के आधार पर 3,000 रुपये की मासिक पेंशन प्रदान करते हैं।

- **अटल पेंशन भी हो सकती है शामिल-** एकीकृत योजना में अटल पेंशन शामिल हो सकती है। प्रस्ताव में निर्माण उद्योग के श्रमिकों को पेंशन देने के लिए भवन व अन्य अधिनियम के जरिये एकत्र किए गए उपकर का उपयोग करने का सुझाव दिया गया है।

किआ इंडिया ने पेश की नई ईवी6

नईदिल्ली, एजेंसी। किआ ईवी6 में 5 नए ऑटोनॉमस फीचर्स जोड़े गए हैं, जो इसे और भी सुरक्षित और स्मार्ट बनाते हैं। यह इलेक्ट्रिक वाहन 650+ किलोमीटर की रेंज प्रदान करता है, जो इलेक्ट्रिक वाहन तकनीक में किआ की उत्कृष्टता को दिखाता है। नई दिल्ली, 17 जनवरी 2025- भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में किआ इंडिया ने अपनी नई ईवी6 का अनावरण किया। कंपनी ने घोषणा की है कि इस इलेक्ट्रिक वाहन की बुकिंग आज से शुरू हो गई है। यह वाहन किआ की इलेक्ट्रिक मोबिलिटी यात्रा का एक और महत्वपूर्ण कदम है। नई किआ ईवी6 सुरक्षा के नए मानक स्थापित करती है। यह वाहन कंपनी के ड्रस 2.0 पैकेज से लैस है, जिसमें 27 उन्नत सुरक्षा और ड्राइवर असिस्टेंस फीचर्स शामिल हैं। पिछले मॉडल की तुलना में इसमें 5 नई सुविधाएं जोड़ी गई हैं, जो इसे और भी बेहतर बनाती हैं।

सूर्या रोशनी ने नए मोनोब्लॉक पंप्स लॉन्च किए

ग्वालियर, एजेंसी। भारत में लाइटिंग, फैन, होम अप्लायंसेस, स्टील और पीवीसी पाइप्स के लिए मशहूर और भरोसेमंद ब्रांड सूर्या रोशनी अब जल आपूर्ति के क्षेत्र में भी नया समाधान लेकर आया है। अपने इनोवेशन और टेक्नोलॉजी के जरिए कंपनी ने ऐसे पंप्स बनाए हैं, जो घरेलू और कमर्शियल दोनों तरह के इस्तेमाल के लिए बेहतरीन हैं। सूर्या रोशनी के ये नए मोनोब्लॉक पंप्स 1.0 एचपी और 0.5 एचपी के वेरिएंट में उपलब्ध हैं, जो घरों, गार्डन, होटलों और छोटे बिजनेस के लिए उपयोगी हैं। इन पंप्स को इस तरह डिजाइन किया गया है कि ये लगातार सही जल प्रवाह और दबाव बनाए रखें। यह 8 मीटर तक की ऊंचाई तक पानी खींच सकते हैं और इनमें सेल्फ-प्राइमिंग फीचर दिया गया है, जिससे इन्हें इस्तेमाल करना बेहद आसान हो जाता है। लॉन्च के मौके पर सूर्या रोशनी के सीईओ - लाइटिंग और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, जितेंद्र अग्रवाल ने कहा, हम हमेशा ऐसे प्रोडक्ट्स बनाने पर जोर देते हैं जो ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ उनके अनुभव को और भी बेहतर बनाएं। हमारी नई मोनोब्लॉक पंप्स रेंज इस दिशा में एक बड़ा कदम है।

मेकर्स ने दूसरा गाना गलतफहमी को रिलीज़ किया

मुंबई, एजेंसी। इब्राहिम अली खान और खुशी कपूर की नादानियाँ के पहले रोमांटिक गाने इश्क में की अपार सफलता के बाद मेकर्स ने दूसरा गाना गलतफहमी को रिलीज किया, जो प्यार की उलझनों को गहराई से दिखाता है। इब्राहिम अली खान और खुशी कपूर पर फिल्माया गया यह गाना सीधे दिल से जुड़ता है। साथ ही यह सुकून देकर गलतफहमियों में खोए प्यार के लम्हों को फिर से जीने का मौका देता है। नादानियाँ, जो पहली बार निर्देशिका बनीं शौना गौतम द्वारा निर्देशित और करण जौहर, अपूर्व मेहता व सोमेन मिश्रा द्वारा धर्मेटिक एंटरटेनमेंट के तहत निर्मित है, इसने पहले ही इंटरनेट पर लोगों में उत्सुकता बढ़ा कर सुर्खियां बटोर ली हैं। मशहूर संगीतकार जोड़ी सचिन-जिगर ने कहा कि, हम इश्क में को मिले प्यार के लिए सभी का दिल से शुक्रिया अदा करते हैं, उस रोमांटिक गाने के बाद, गलतफहमी ऐसा गाना है जिसे अंतर आत्मा से महसूस किया जाए, इसके हर सुर में गहरे एहसास झलकते हैं। हम ऐसा ट्रैक बनाना चाहते थे जो आपको अपनी अनकहीं भावनाओं में गोते लगाने के लिए मजबूर कर दे। उम्मीद है कि लोग इससे उतना ही जुड़ेंगे, जितना हम इसे बनाते समय जुड़े थे। संगीत जगत के माहिर सचिन-जिगर द्वारा कंपोज किया गया, शब्दों के जादूगर अमिताभ भट्टाचार्य द्वारा लिखा गया और तुषार जोशी व मधुबंती बागची की भावनाओं से भरी आवाज से सजा यह गाना हर किसी के दिल से जुड़ी गहरी भावनाओं को छूता है।

ईडीआईआई द्वारा उद्यमिता पर 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन आयोजित

अहमदाबाद, 26फरवरी, 2025- भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद का 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन (3-दिवसीय) 26 फरवरी को संस्थान के परिसर में शुरू हुआ। उद्यमिता परआधारित तीन दिवसीय सम्मेलन 28 फरवरी को समापन होगा। यह सम्मेलन शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और अभ्यासकर्ता के लिए एक मंच है ताकि वे उद्यमिता विकास के विभिन्न क्षेत्रों में अपने शोध अध्ययन और निष्कर्ष साझा कर सकें। ईडीआईआई 1994 से उद्यमिता पर द्विवार्षिक सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। सम्मेलन के दौरान,9 से अधिक देशों के विद्वानों द्वारा उद्यमिता सिद्धांत और व्यवहार;उद्यमिता शिक्षा; उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र;मनोविज्ञान और उद्यमिता;एमएसएमई उद्यमिता;प्रौद्योगिकी और डिजिटल उद्यमिता;स्टार्टअप और नवाचार;हरित और स्थायी उद्यमिता;सामाजिक उद्यमिता;संस्कृति, परंपरा और मूल्य आधारित उद्यमिता;महिला उद्यमिता; ग्रामीण उद्यमिता एवं नवजात उद्यमिता और नए उद्यम निर्माण और पारिवारिक व्यवसाय के विषयों पर 148 शोध पत्र और अध्ययन प्रस्तुत किए गए।

सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अतिथि, प्रोफेसर (डॉ.) टी.वी. राव, फाउन्डर और चेयरमेन, टी. वी. राव लर्निंग सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद और भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद के पूर्व प्रोफेसर द्वारा किया गया। उन्होंने कहा, आज की गतिशील अर्थव्यवस्था में, आर्थिक विकास और व्यावसायिक उन्नति को चलाने के लिए उद्यमिता विकास महत्वपूर्ण है।

आरबीआई के नए गवर्नर जरूरी निर्णयों में अधिक सलाह लेने का दृष्टिकोण अपना रहे, नुवामा रिसर्च ने किया दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने अपने नए गवर्नर के तहत अधिक सलाह लेने का दृष्टिकोण अपनाया है। नुवामा रिसर्च ने अपनी एक रिपोर्ट में यह बात कही है। नुवामा के अनुसार, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) और माइक्रोफाइनेंस संस्थानों (एमएफआई) के लिए ऋण पर जोखिम भार में वृद्धि को वापस लेने के अपने हाल के फैसले से यह जाहिर होता है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि, मौद्रिक नीति की घोषणा के बाद 7 फरवरी को मीडिया से बातचीत में, आरबीआई गवर्नर और डिप्टी गवर्नर ने कहा था कि केंद्रीय बैंक परस्पर जुड़े जोखिमों के कारण एनबीएफसी ऋणों पर जोखिम भार को कम करने की संभावना नहीं है। हालांकि, इस रुख के बावजूद, आरबीआई ने बाद में एनबीएफसी के लिए बैंक ऋण पर जोखिम भार को कम कर दिया। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह निर्णय आरबीआई गवर्नर और बैंकों व एनबीएफसी के शीर्ष अधिकारियों के बीच हाल की बैठकों से प्रभावित लगता है। नुवामा रिसर्च ने कहा, ÷नए गवर्नर के अधीन आरबीआई पहले की तुलना में अधिक परामर्शी दृष्टिकोण अपना रहा है.....आरबीआई ने बैंकों के एनबीएफसी ऋणों पर जोखिम भार में ढील दी है। यह फैसला संभवतः गवर्नर की हाल ही में एनबीएफसी और बैंकों के सीईओ से मुलाकात के बाद हुआ है। एनबीएफसी ने इस छूट की मांग की होगी÷।एफएफआई पर जोखिम भार में कमी उन बैंकों के लिए फायदेमंद होगी, जिन्होंने माइक्रोफाइनेंस ऋणों के रूप में महत्वपूर्ण जोखिम उठा रखा है। हालांकि, रिपोर्ट में कहा गया है कि लघु वित्त बैंकों पर प्रभाव सीमित होगा क्योंकि अधिकांश एफएफबी ने इन ऋणों पर जोखिम भार को 125 प्रतिशत तक नहीं बढ़ाया है।

एनबीएफसी पर नुवामा ने रिपोर्ट में कही यह बात- नुवामा के अनुसार आरबीआई की ओर से एनबीएफसी के लिए जोखिम भार में छूट दिए जाने से उनके फंड की लागत (ष्टश्न्न) कम होने की उम्मीद है, खासकर उन लोगों के लिए जो बैंक उधार पर बहुत अधिक निर्भर हैं।

डॉ. योगेश लखानी, ब्राइट आउडडोअर मीडिया लिमिटेड के सीएमडी ने कहा-

डीओओएच अपनी वृद्धि को तकनीकी नवाचार के साथ आसमान छुएगा

आउट-ऑफ़-होम विज्ञापन, जिसे बाहरी विज्ञापन भी कहा जाता है, बिलबोर्ड्स, साइनज, या अन्य अत्यधिक दृश्य, अत्यधिक प्रभावशाली मीडिया को संदर्भित करता है जो सार्वजनिक स्थानों पर प्रदर्शित होता है, जिन्हें लोग हर दिन चलते या गाड़ी चलाते हुए देखते हैं। यह विज्ञापनदाताओं के लिए अपने लक्षित दर्शकों से जुड़ने का एक बड़ा अवसर भी प्रस्तुत करता है, खासकर उनके व्यक्तिगत उपकरणों के भीड़-भाड़ वाले संदर्भ से बाहर। जैसे-जैसे विज्ञापन परिदृश्य विकसित हो रहा है, आउट-ऑफ-होम विज्ञापन निस्संदेह दुनिया भर में दर्शकों तक पहुंचने और उन्हें संलग्न करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहेगा। ब्रांड्स के लिए जो एक प्रभावशाली बयान देना चाहते हैं और उपभोक्ताओं से अर्थपूर्ण तरीके से जुड़ना चाहते हैं, ओओएच विज्ञापन एक ऐसी निवेश है जिसे किया जाना चाहिए। एक प्रमुख प्रवृत्ति है डिजिटल आउट-ऑफ-होम (डीओओएच) का उभार, जो 2024 में 12-15 प्रतिशत बढ़ा, विशेष रूप से बड़े शहरों में तकनीकी प्रगति के कारण। इस साल जनवरी में, मैं न्यूयॉर्क के टाइम स्क्वायर गया था, जहाँ मैंने एक 3-डी एलईडी स्क्रीन देखी। मुझे इससे प्रेरणा मिली और मैंने इस उद्देश्य के लिए अपनाए गए तकनीकों को भारत में लाने की इच्छा जताई। ब्राइट को देश में अत्याधुनिक तकनीक पेश करने वाला पहला बनना चाहिए। हालांकि, इन स्क्रीन का 70 प्रतिशत छोटे फॉर्मेट्स होते हैं, जो मॉल्स, ट्रांज़िट क्षेत्र और कॉर्पोरेट हब्स जैसे स्थानों पर होते हैं। डीओओएच की वृद्धि 2025 में तेज होने की उम्मीद है, जिसमें अधिक रोड पर और वातावरणीय स्क्रीन शामिल होंगी। वर्तमान में, डीओओएच ओओएच बाजार का 10 प्रतिशत हिस्सा रखता है, और जबकि प्रोग्रामैटिक विज्ञापन अभी भी अपने शुरुआती चरणों में है, यह नवाचार से प्रेरित है, जो मीडिया गुणवत्ता और दृश्यता की सीमा को बढ़ा रहा है।

ओओएच विज्ञापन ने उपभोक्ताओं की विघटन से मुक्त अनुभव की इच्छा को पूरा किया, जिसके कारण 2024 में हवाई अड्डों, मॉल्स और मेट्रो स्टेशनों जैसे उच्च-फुटफॉल स्थानों पर वृद्धि देखी गई। 2025 में हवाई यात्रा में 7-10 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है, और गैर-मेट्रो हवाई अड्डों पर भी विज्ञापनदाताओं के साथ आकर्षण बढ़ रहा है। मॉल्स में डिजिटल ओओएच क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा है, खासकर लक्जरी और ब्यूटी ब्रांड्स इस स्थान का उपयोग करके अपने दर्शकों से जुड़ने की कोशिश कर रहे हैं। इसके अलावा, बढ़ता मेट्रो नेटवर्क स्टेशन नामकरण अधिकारों के माध्यम से, साथ ही स्थिर और डिजिटल विज्ञापनों के जरिए रोमांचक ब्रांडिंग अवसर प्रदान करता है। मुझे सच में विश्वास है कि ओओएच विज्ञापन का दायरा विशाल है, जो रियल एस्टेट से लेकर मनोरंजन जैसे कई उद्योगों की आवश्यकताओं को पूरा करता है। ब्राइट आउटडोर मीडिया में, हमने आउटडोर विज्ञापन में एक नेता के रूप में अपनी पहचान बनाई है, जिसे हमारे व्यापक नेटवर्क, नवाचारपूर्ण दृष्टिकोण और मजबूत ग्राहक संबंधों के लिए जाना जाता है। उत्कृष्टता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता ने हमें ओओएच उद्योग में एक विश्वसनीय ब्रांड बना दिया है। 2025 में, ओओएच उद्योग निरंतर वृद्धि के लिए तैयार है, जिसमें डिजिटल और तकनीकी नवाचारों, बढ़ी हुई पायाभूत सुविधाओं और अधिक उपभोक्ता गतिशीलता पर जोर दिया जाएगा। ओओएच विज्ञापन राजस्व 2023 में 4,140 करोड़ रुपये से बढ़कर 2024 में 4,650 करोड़ रुपये हो गया, जो साल दर साल 12 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि को दर्शाता है। पिछले 5 वर्षों से, कुल रेडियो उद्योग लगभग 2 प्रतिशत पर स्थिर रहा है, हालांकि यह 2,260 करोड़ रुपये से घटकर 1,270 करोड़ रुपये हो गया है। पुरानी मॉडल को बदलने वाला डिजिटल रेडियो, जो नवाचार और दृष्टिकोण को एकीकृत कर रहा है, उपभोक्ताओं के लिए एक आकर्षण बन रहा है। ओओएच की तुलना में रेडियो विज्ञापन अपनी मुख्य सीमा, वीडियो के अभाव के कारण कोई खास प्रभाव नहीं डाल पाता। प्रिंट का कुल विज्ञापन क्षेत्र में हिस्सा धीरे-धीरे घटेगा। 2024 में 19 प्रतिशत हिस्से से, प्रिंट का योगदान 2025 में थोड़ी गिरावट के साथ 18 प्रतिशत तक पहुंचने की उम्मीद है। यह घटाव डिजिटल मीडिया की तेज़ी से बढ़ती प्रवृत्ति को दर्शाता है। मध्यमवर्गीय उपभोक्ताओं के बीच 1 लाख करोड़ रुपये के बढ़े हुए उपयोगी आय के साथ, ब्रांड्स को लाभ होने की संभावना है और वे मार्केटिंग और विज्ञापन में अधिक सहजता से निवेश करेंगे। केंद्रीय बजट उपभोक्ता खर्च को बढ़ाता है, डिजिटल नवाचार को बढ़ावा देता है और एमएसएमई और स्टार्टअप्स की वृद्धि को समर्थन देता है।

बजाज एलियांज लाइफ बना बीमा-एएसबीए सुविधा शुरू करने वाला पहला बीमाकर्ता

पुणे, एजेंसी। भारत के प्रमुख निजी जीवन बीमाकर्ताओं में से एक बजाज एलियांज लाइफ, बीमा-एप्लिकेशन सपोर्टेड बाय ब्लॉक्ड अमाउंट (बीमा-एएसबीए) सुविधा शुरू करने वाला पहला बीमाकर्ता बन गया है। यह उपलब्धि भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (इरडाई) की उस पहल के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य संचालन को आसान बनाना, पॉलिसीधारकों की सुविधा बढ़ाना, पारदर्शिता सुनिश्चित करना और बीमा प्रीमियम भुगतान प्रक्रिया को सरल बनाना है।

बीमा-एएसबीए प्रीमियम भुगतान को आसान और ग्राहक अनुकूल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इरडाई की इस पहल के तहत पॉलिसीधारक यूपीआई के वन-टाइम मैंडेट (ओटीएम) का विकल्प चुन सकते हैं। इसके जरिए वे अपने बैंक खाते में एक तय राशि (2 लाख रुपए तक) ब्लॉक करने की अनुमति देते हैं। यह पैसा तब तक खाते में ही रहेगा जब तक बीमा कंपनी अंडरराइटिंग प्रक्रिया पूरी कर प्रस्ताव को स्वीकार नहीं कर लेती। अगर 14 दिनों के भीतर आवेदन पूरा नहीं होता या प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया जाता है, तो यह राशि अपने आप ग्राहक के खाते में वापस आ जाती है। इस प्रक्रिया से यह सुनिश्चित होता है कि पॉलिसी खरीदार का पैसा खाते में ही बना रहे और उस पर ब्याज मिलता रहे। बजाज एलियांज लाइफ ने अपने भुगतान भागीदारों के साथ मिलकर यह प्रक्रिया सफलतापूर्वक शुरू कर दी है।

BAJAJ Allianz LIFE GOALS. DONE.

कोटा में 'कोटा केयर्स' के तहत कोचिंग स्टूडेंट्स के हित में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं

आवास, सुरक्षा और स्टूडेंट सपोर्ट के क्षेत्र में नए आयाम होंगे स्थापित

कोटा, एजेंसी। कोटा में जिला प्रशासन ने 'कोटा केयर्स' अभियान के तहत कोचिंग स्टूडेंट्स के हित में व्यापक सुधार के लिए कई घोषणाएं की है। ये सुधार कोटा में स्टूडेंट्स हित में हो रहे बदलाव के क्षेत्र में कोटा के दृष्टिकोण को प्रदर्शित करेंगे। कोटा के हॉस्टल एसोसिएशन और कोचिंग के साथ मिलकर, जिला प्रशासन के सहयेग से हुई इन घोषणाओं में आवास, सुरक्षा मापदण्ड और सपोर्ट सिस्टम में बड़े बदलाव हैं जो कोटा में केयरिंग के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करेंगे।

कोटा में दिसम्बर 2024 में कोटा केयर्स अभियान की शुरुआत की गई थी जो कि स्टूडेंट सपोर्ट और शैक्षिक उत्कृष्टता से परे जाकर केयरिंग के लिए एक नया इकोसिस्टम विकसित करने के उद्देश्य से थी। यह पहल जिला प्रशासन, कोचिंग संस्थानों, हॉस्टल एसोसिएशन्स और स्थानीय नागरिकों को एकजुट करके स्टूडेंट्स के लिए समन्वित प्रयास है।

जिला कलक्टर डॉ.रविन्द्र गोस्वामी ने कहा कि कोटा केयर्स ऐसे स्टूडेंट्स के लिए प्रयास है जो सपने पूरे करने के लिए कोटा आते हैं। इन सुधारों के माध्यम से कोटा में एक सपोर्ट सिस्टम तैयार किया जा रहा है, जो छात्र जीवन के हर पहलू को कवर करता है। सस्ते आवास से लेकर मानसिक स्वास्थ्य और मनोरंजन की जरूरतों तक सब कुछ इसमें शामिल किया गया है। यह कोटा को एक ऐसा शहर बनाने का प्रयास है जो केयरिंग के लिए पहचाना जाए। यह एक सामूहिक प्रयास है, जिसमें जिला प्रशासन व कोचिंग संस्थानों के साथ अन्य सभी भागीदार आगे आए हैं। इस संबंध में हॉस्टल एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कहा कि ये सुधार हमारे स्टूडेंट केयरिंग के प्रति जिम्मेदार व्यवहार को दर्शाते हैं। हम केवल हॉस्टल्स प्रदान नहीं कर रहे हैं; हम ऐसे घर बना रहे हैं, जहां छात्र पढ़ सकें और आगे बढ़ सकें। कोटा केयर्स के तहत हर कदम में स्टूडेंट सपोर्ट को प्राथमिकता दी गई है। यह पहल कोटा को भारत के अग्रणी कोचिंग हब के रूप में स्थापित करती है, वर्तमान में 1.25 लाख से अधिक छात्र अपने सपनों को पूरा कर रहे हैं।

डॉन 3 में रणवीर को देखना उत्साहवर्धक, इसी साल होगी शुरू

अमिताभ बच्चन और शाहरुख खान के बाद रणवीर सिंह को डॉन फ्रैंचाइज़ को आगे बढ़ाते हुए देखने के लिए प्रशंसक उत्साहित हैं। डॉन 3 की घोषणा पहले 2023 में की गई थी, लेकिन रिपोर्ट्स में प्रोडक्शन में देरी का सुझाव दिया गया है। निर्देशक फरहान अख्तर ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में पुष्टि की कि फिल्म की शूटिंग इसी साल शुरू होगी। प्रोजेक्ट के बारे में अपडेट के लिए पूछे जाने पर फरहान अख्तर ने स्पष्ट किया, मैं किसी भी सवाल से बच नहीं रहा हूँ। डॉन 3 की शूटिंग इस साल शुरू होगी और 120 बहादुर साल के अंत तक रिलीज़ होने वाली है।

पिछले साल नवंबर में एक्सेल एंटरटेनमेंट ने देरी की अफवाहों को संबोधित करते हुए एक बयान जारी किया। इसने स्पष्ट किया, निर्माता और रणवीर सिंह इस बात पर एकमत हैं कि डॉन 3 की समयसीमा अपरिवर्तित रहेगी। स्थगन की ऐसी कोई भी खबर सच नहीं है। समयसीमा के साथ, डॉन 3 के लिए जनादेश महत्वाकांक्षी बने हुए हैं - एक सिनेमाई तमाशा पेश करना जो नए मानक स्थापित करते हुए फ्रैंचाइज़ी की विरासत को बनाए रखे।

2023 में, एक विशेष घोषणा वीडियो में रणवीर सिंह को डॉन फ्रैंचाइज़ी के नए चेहरे के रूप में पेश किया गया। उन्होंने घर पर प्रतिष्ठित चरित्र को फिर से निभाते हुए अपनी बचपन की तस्वीर भी साझा की। आभार व्यक्त करते हुए उन्होंने लिखा, मैं समझता हूं कि डॉन राजवंश का हिस्सा बनना कितनी बड़ी जिम्मेदारी है। मुझे उम्मीद है कि दर्शक मुझे मौका देंगे और मुझे प्यार देंगे, जिस तरह से उन्होंने पिछले कई सालों में कई किरदारों को प्यार दिया है। कियारा आडवाणी उनके साथ मुख्य भूमिका में होंगी। रणवीर सिंह को आखिरी बार रोहित शेट्टी की फिल्म सिंघम अगेन में देखा गया था, जिसका प्रीमियर पिछले साल दिवाली के दौरान हुआ था।

गोविन्दा के वकील ने किया खुलासा

6 महीने पहले सुनीता ने दी थी तलाक की अर्जी

बॉलीवुड एक्टर गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता के तलाक की खबरें इन दिनों बहुत जोर पकड़ रही है। लेकिन दोनों की तरफ से इस पर किसी तरह का कोई आधिकारिक बयान नहीं आया था। अब हाल ही में गोविंदा के वकील और मैनेजर ने खुलासा करते हुए कहा कि सुनीता ने 6 महीने पहले गोविंदा से तलाक की अर्जी दी थी। गोविंदा-सुनीता के तलाक की अफवाहें उड़ने के एक दिन बाद एक्टर के वकील ने खुलासा किया कि सुनीता ने 6 महीने पहले तलाक की अर्जी दी थी। लेकिन बाद में चीजें ठीक हो गईं और यह कपल आगे बढ़ गया। उन्होंने बताया, हम नए साल पर नेपाल गए और पशुपति नाथ मंदिर में पूजा भी की। उन दोनों के बीच सबकुछ ठीक है, हर कपल के बीच छोटी-बड़ी समस्याएं आती रहती हैं। उनके बीच भी आईं लेकिन अब वे इन सबको छोड़कर आगे बढ़ गए हैं। वकील बिंदल ने इस बात का भी खंडन कर दिया कि गोविंदा और उनकी पत्नी अलग अपार्टमेंट में रहते हैं। उन्होंने बताया कि सांसद बनने के बाद गोविंदा ने एक बंगला खरीदा था जो उनके घर के ठीक सामने है, वे कभी-कभी बंगले में मीटिंग अटेंड करते हैं और वहां सो भी जाते हैं लेकिन सुनीता और गोविंदा दोनों साथ ही रहते हैं अलग नहीं।

सुनीता की वजह से फैली अफवाह?

गोविंदा के मैनेजर ने मीडिया से बात करते हुए खुलासा किया कि सुनीता ने पब्लिसिटी स्टंट के चलते तलाक की अफवाह फैलाई हैं। गोविंदा काफी सिंपल इंसान हैं और वे अपने परिवार की देखभाल में कोई कमी नहीं रखते।

उन्होंने कहा, हां सुनीता ने कोर्ट में कानूनी नोटिस भेजा है लेकिन ये किस बारे में इसकी कोई ठोस जानकारी नहीं है। साथ ही ये नोटिस अभी तक हमारे पास नहीं आया है। मैनेजर ने बताया कि सुनीता पिछले कुछ दिनों से गोविंदा के बारे में अजीब बातें भी कर रही हैं जिसकी वजह से इस खबरों को और हवा मिली है। जैसे उन्होंने कहा कि गोविंदा को डांस उन्हीं ने सिखाया है। गोविंदा ज्यादातर समय बंगले में रहते हैं और अपने परिवार का पूरा ख्याल रखते हैं।

गोविंदा ने 1987 में सुनीता आहूजा से शादी की थी उसके अगले ही साल उन्होंने अपनी बेटी टीना का स्वागत किया और 1997 में उनके दूसरे बच्चे के रूप में हर्षवर्धन का स्वागत किया।

अब नहीं पूरी होगी शाहरुख के फैंस की 'मन्नत'

बंगला छोड़ पूजा कासा में रहने जा रहा पूरा परिवार

मुंबई में समंदर किनारे बनी इमारतों को लेकर बदले नियमों के बाद शाहरुख खान अपने बंगले का विस्तार करने वाले हैं और पहले से बनी इमारत में कुछ पुनर्निमाण कर रहे हैं। इस वजह से अभिनेता परिवार सहित पाली हिल स्थित इमारत पूजा कासा में रहने जा रहे हैं। देश-दुनिया से मुंबई आने वाले हिंदी सिनेमा के शौकीनों की सैर के शहर में कुछ तो ठिकाने निश्चित होते ही हैं। मसलन, रविवार है तो जुहू में समंदर के पास बने बंगले जलसा पर अमिताभ बच्चन के 'संडे दर्शन' होते हैं। कोई बड़ा त्योहार हो या जन्मदिन हो तो शाहरुख खान भी बांद्रा में बैंड स्टैंड स्थित अपने बंगले मन्नत के मुख्य द्वार से सटकर बने मंच पर आकर अपने प्रशंसकों से दुआ सलाम करते हैं, और कभी कभी अपना मशहूर पोज भी बनाते हैं। लेकिन, शाहरुख खान की एक झलक के लिए आने वाले उनके प्रशंसकों की मन्नत अब कुछ महीने पूरी नहीं हो सकेगी। वजह ये है कि मुंबई में समंदर किनारे बनी इमारतों को लेकर बदले नियमों के बाद शाहरुख खान अपने बंगले का विस्तार करने वाले हैं और पहले से बनी इमारत में कुछ पुनर्निमाण भी करने वाले हैं।

संजय दत्त ने बताया, कब तांडव मचाएगी 'द भूतनी'

अभिनेता संजय दत्त अपनी अपकमिंग फिल्म 'द भूतनी' की रिलीज को लेकर उत्साहित हैं। अभिनेता ने बुधवार को महाशिवरात्रि के मौके पर सोशल मीडिया पर अपकमिंग एक्शन-हॉरर कॉमेडी के टाइटल के साथ ही रिलीज की तारीख भी बताई।

इंस्टाग्राम पर एक्टर का पोस्ट शेयर करते हुए सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट और थ्री डायमेंशन मोशन पिक्चर ने बताया कि उनकी अपकमिंग फिल्म का नाम 'द भूतनी' रखा गया है। यह फिल्म 18 अप्रैल 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अभिनेता संजय दत्त ने लिखा, इस गुड फ्राइडे, डर को एक नई डेट मिल गई है। पहले से कहीं ज्यादा हॉरर, एक्शन और कॉमेडी के लिए तैयार हो जाइए! 'द भूतनी' मचाएगी तांडव। बता दें, पहले अपकमिंग फिल्म का नाम 'द वर्जिन ट्री' था, लेकिन अब इसका नाम बदलकर 'द भूतनी' रख दिया गया है। निर्माताओं ने फिल्म का एक छोटा टीजर भी शेयर किया, जो हमें रहस्यमयी दुनिया की झलक दिखाती है, जहां प्यार, अंधकार में बदल जाता है। सिद्धांत सचदेव के निर्देशन में बनी इस फिल्म में संजय दत्त, मौनी रॉय, पलक तिवारी, सनी सिंह और आसिफ खान जैसे सितारे प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

इंडियाज गॉट लैटेंट विवाद को लेकर बोले समय रैना, फैंस को कहा शुक्रिया

मैं बहुत परेशान हूं...

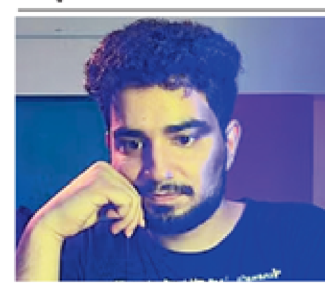

कॉमेडियन समय रैना ने अपने कनाडा शो के दौरान कहा कि वह इंडियाज गॉट लेटेंट विवाद के बीच काफी परेशान थे। यूट्यूबर रणवीर अल्लाहबादिया की अनुचित टिप्पणी के बाद हंगामा मचने के बाद उनका शो विवादों में घिर गया था। कॉमेडियन समय रैना यूट्यूबर रणवीर अल्लाहबादिया की इंडियाज गॉट लैटेंट शो पर की गई टिप्पणी के बाद भारी आलोचनाओं के कारण मुश्किल में फंस गए हैं। फिलहाल समय रैना अनफिल्टर्ड टूर के लिए कनाडा का दौरा कर रहे हैं। शो के दौरान उन्होंने बताया कि वे चिंतित थे और परेशान थे। उन्होंने अपने इस विवाद के बारे में बात की और फैंस को उनके निरंतर समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। समय रैना ने अपने शो के अंत में कहा, जाने से पहले, एक-दो बातें करना चाहता हूं। पहली बात तो आज रात आने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। बात ये है जो मुझे तुमसे कहनी है भाई कि मैं इस समय बहुत परेशान हूं।

'बफी' फेम अमेरिकन एक्ट्रेस मिशेल ट्रैचेनबर्ग का 39 वर्ष की उम्र में निधन

मिशेल ट्रैचेनबर्ग एक अमेरिकी अभिनेत्री थी, जिनके निधन की खबर मिलते ही अमेरिकन सिने इंडस्ट्री में हलचल मच गई। 'गॉसिप गर्ल' जैसे तमाम सीरीज से चर्चित इस एक्ट्रेस का 39 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। जानिए कैसे हुआ निधन?

क्या है पूरी खबर?

हाल ही में अमेरिकी मीडिया आउटलेट्स की रिपोर्ट से यह जानकारी मिली कि अमेरिकन अभिनेत्री मिशेल ट्रैचेनबर्ग ने 39 वर्ष की उम्र में इस दुनिया को अलविदा कह दिया। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार यह सामने आया कि बीते बुधवार को अभिनेत्री मैनहैट्टन स्थित अपार्टमेंट में बेहोश पाई गई थी, फिर आपातकालीन चिकित्साधिकारी ने इन्हें मृत घोषित कर दिया था। इसके साथ ही कुछ और जानकारियों से पता चला कि अभनेत्री ने हाल ही में लीवर ट्रांसप्लांट भी कराया था।

विज्ञापनों का प्रचार क्रिकेटर्स से कराने पर पाकिस्तानी अभिनेत्री नाराज

हाल के दिनों में तमाम ब्रांड्स अपने प्रोडक्ट के विज्ञापन फिल्मी सितारों की बजाय खेल सितारों से करा रहे हैं। उन्हें ब्रांड एंबेसडर बना रहे हैं। इस पर पाकिस्तानी अभिनेत्री रबिया कुलसुम ने विरोध जताया है।

एक वक्त था, जब ब्यूटी से लेकर फिटनेस और फूड प्रोडक्ट तक, तमाम ब्रांड्स अपने प्रोडक्ट के प्रचार के लिए फिल्मी सितारों पर भरोसा जताते थे। मगर, हाल के दिनों में फिजा कुछ बदली है। ब्रांड्स का भरोसा खेल जगत की हस्तियों पर ज्याद बढ़ा है। इस पर हाल ही में पाकिस्तानी अदाकारा रबिया कुलसुम ने विरोध जताया है। उन्होंने ब्रांड्स से ऐसा न करने की अपील की है।

ब्रांड्स से की गुजारिश

हाल ही में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी मुकाबले में पाकिस्तानी क्रिकेट टीम भारतीय टीम से हार गई। इस मैच की चर्चा अब तक सोशल मीडिया पर चल रही है। इस बीच पाकिस्तानी अभिनेत्री रबिया का एक सोशल मीडिया पोस्ट वायरल हुआ है। इसमें वे क्रिकेटर्स को ब्रांड के प्रमोशन कराने की जिम्मेदारी देने पर विरोध कर रही हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए यह मुद्दा उठाया है।

बोलीं- एक्टर्स का काम एक्टर्स को करने दें प्लीज

रबिया ने पाकिस्तानी टीम की हार पर निराशा जताई है। इसके अलावा उन्होंने ब्रांड के चेहरे के रूप में क्रिकेटरों को लेने वाले ब्रांड्स की कड़ी निंदा की है। हाल ही में, रबिया ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक स्टोरी पोस्ट की, जिसमें ब्रांड्स से गुजारिश की है कि वे क्रिकेटरों को अपने ब्रांड फेस के रूप में इस्तेमाल करना बंद करें। उन्होंने लिखा है, एक्टर्स का काम एक्टर्स को करने दें प्लीज। लेकिन, अगर एक्टर्स का काम क्रिकेटर्स से कराना है तो फिर एक्टर्स को टीम में डालें।

सफलता वही टिकती है जो लंबी मेहनत के बाद मिले, इसका शॉर्टकट तलाशने वाले टिकते नहीं हैं

पिता से मिली लिखने की विरासत

मेरे पिता शायर थे। मेरी लेखन में दिलचस्पी वहीं से आई। मैंने तमाम फिल्में दूसरों के लिए लिखी हैं, जिनमें मेरा नाम नहीं है। बतौर लेखक जिस फिल्म में पटकथा लेखक का मुझे क्रेडिट मिला, वह फिल्म रही डेविड धवन की 'स्वर्ग'। आशापूर्णा देवी की कहानी 'जोग बियोग' पर ये फिल्म बनी है। मैंने सफलता मिलने का इंतजार किया और मेरा मानना है कि लंबे समय तक वही सफलता टिकती है, जो आपको इसके लायक बनाने के बाद आती है। शॉर्टकट वाले यहां टिकते नहीं हैं।

अगली फिल्म पर काम शुरू

'भूल भुलैया 3' के बाद से मेरे पास तकरीबन रोज ही कोई न कोई प्रस्ताव आता रहता है। लेकिन, मैं अपना अगला प्रोजेक्ट पहले ही शुरू कर चुका हूं। ये क्या है, इस बारे में आधिकारिक एलान तक इंतजार करना ठीक रहेगा। मुझे लगता है कि दर्शकों को 'भूल भुलैया 4' का इंतजार होगा।

हिट की गारंटी किसी के पास नहीं

सिनेमा में कला और गणित दोनों का मिश्रण होता है। ये एक कारोबार है, और ये बात समझनी हर निर्देशक को जरूरी है। बतौर निर्माता कोई भी फ्लॉप फिल्म नहीं बनाना चाहता। निर्देशक भी अपनी समझ से सारी फिल्में हिट फिल्में ही बनाते हैं, लेकिन मेरी फिल्म शर्तिया हिट होगी, ये कोई निर्देशक नहीं कहता।

कभी निर्माता निर्देशक मनमोहन देसाई की फिल्म 'नसीब' में शत्रुघ्न सिन्हा के बचपन का रोल करने वाले अनीस बज्मी की गिनती अब हिंदी सिनेमा के चोटी के निर्देशकों में होती है। हां, मेरे पास लेखकों की पूरी टीम चलती है। मैंने अपना एक राइटिंग रूम बनाया है, जहां मैं नियमित तौर से बैठता हूं और लेखकों के साथ अलग-अलग विषयों पर विचार करता हूं। मेरी कोशिश एक लार्जर दैन लाइफ वेब सीरीज बनाने की अरसे से रही है।

साभार एजेंसी

जिस गेंदबाज से खौफ खाते थे विराट कोहली

रोनाल्डो से की तुलना, बताया पाकिस्तान का रोल मॉडल

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट में विराट कोहली का सिक्का चलता है. वो वनडे में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले क्रिकेटर हैं. इसके अलावा भी उनके नाम कई रिकॉर्ड तो दर्ज हैं ही, उन्हें हर बड़े मैच में प्रदर्शन करने के लिए भी जाना जाता है. शायद यही कारण कि कोहली को अपने करियर में जिस गेंदबाज से सबसे ज्यादा खौफ लगा, अब उसने ही उनकी तुलना दुनिया के बेस्ट फुटबॉलर माने जाने वाले क्रिस्टियानो रोनाल्डो से कर दी है. हम बात कर रहे हैं मोहम्मद आमिर की. आमिर ने कोहली की जमकर तरीफ की है और उन्हें पाकिस्तान में सबसे बड़ा रोल मॉडल बताया है.

मोहम्मद आमिर का मानना है कि विराट कोहली ने अपनी कड़ी मेहनत, अनुशासन और प्रदर्शन के दम पर सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि दुनिया भर में नाम कमाया है. वो हर मोर्चे पर बेस्ट हैं, इसलिए वो युवा क्रिकेटरों के सबसे बड़े रोल मॉडल हैं. आमिर ने कहा 'लोग रोनाल्डो से क्यों प्यार करते हैं? वे मेस्सी से क्यों प्यार करते हैं? अगर मैं रोनाल्डो के बारे में बात करूं, तो खास तौर पर उनके

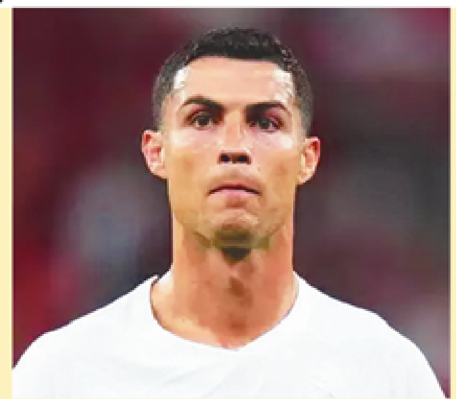

लाइफस्टाइल को देखिए, उनके चैरिटी का काम, उनका वर्क एथिक्स और उनकी फिटनेस देखिए. वो एक पूरा पैकेज हैं. इसी तरह, विराट कोहली भी एक कम्प्लीट पैकेज हैं. वह पाकिस्तान में भी रोल मॉडल हैं. देश मायने नहीं रखता. चाहे वह अफगानिस्तान, पाकिस्तान, भारत या इंग्लैंड से हो, एक रोल मॉडल कहीं से भी हो सकता है. इस पीढ़ी के लिए विराट कोहली एक प्रेरणा हैं.'

आमिर ने आगे कहा कि 'विराट कोहली ऐसे खिलाड़ी हैं जिनके लिए उम्र कोई मायने नहीं रखती. उनका वर्क एथिक्स उनके फॉर्म के आधार पर नहीं बदलता. वह पाकिस्तान के खिलाफ मैच से पहले ट्रेनिंग के लिए 90 मिनट पहले आ गए थे. जो भी क्रिकेटर बनना चाहता है, जो बल्लेबाज बनना चाहता है, उसे विराट कोहली को जरूर फॉलो करना चाहिए.' बता दें आमिर वही गेंदबाज हैं, जिन्हें लेकर एकर इंटरव्यू में विराट ने कहा था कि इंटरनेशनल क्रिकेट में उनका सामना करना उनके लिए सबसे मुश्किल रहा.

आईपीएल 2025 से पहले धोनी ने फैंस को अपने संन्यास की अफवाहों को हवा दी

चेन्नई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2025 संस्करण से पहले अभी एक महीने का समय बचा है, ऐसे में भारत के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने एक बार फिर आईपीएल से अपने संन्यास की अफवाहों को हवा दी है। हालांकि, पिछले मौकों से अलग इस बार यह अफवाह तब शुरू हुई जब धोनी ने अपने प्रशंसकों को एक अनोखे अंदाज में स्पष्ट संदेश भेजा। बुधवार को धोनी आईपीएल सीजन के 18वें संस्करण की तैयारी के लिए चेन्नई पहुंचे। चेन्नई सुपर किंग्स हर साल की तरह, 23 मार्च को अपने चिर प्रतिद्वंद्वी मुंबई इंडियंस के खिलाफ सीजन के पहले मैच से पहले एक महीने के लिए चेपक में कैंप लगाएगी। हालांकि चेन्नई पहुंचने पर धोनी के वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं, जब प्रशंसकों ने देखा कि उनकी टी-शर्ट पर एक कोडित संदेश लिखा हुआ है। मोर्स कोड में लिखा हुआ एक दूरसंचार विधि जिसमें डॉट्स और डैश की एक श्रृंखला का उपयोग किया जाता है, इसमें लिखा था, 'एक आखिरी बार।' इसने सोशल मीडिया पर प्रशंसकों को भावुक कर दिया। पिछले हफ्ते की शुरुआत में धोनी ने कहा था कि एक सक्रिय क्रिकेटर के रूप में इस खेल में उनके पास जो भी समय बचा है, वह एक बच्चे की तरह इसका आनंद लेना चाहते हैं। उन्होंने कहा, मैं 2019 से रिटायर हो चुका हूं, इसलिए इसमें काफी समय लगेगा। इस बीच मैं जो कर रहा हूं, वह यह है कि मैं पिछले कुछ सालों में क्रिकेट का आनंद लेना चाहता हूं, आप जानते हैं, मैं खेल पाऊंगा। मैं इसका आनंद लेना चाहता हूं, जैसा कि मैं एक बच्चे के रूप में स्कूल में करता था। जब मैं एक कॉलोनी में रहता था, तो दोपहर 4 बजे खेल का समय होता था, इसलिए हम अक्सर क्रिकेट खेलने जाते थे। उन्होंने कहा, लेकिन अगर मौसम अनुमति नहीं देता है, तो हम फुटबॉल खेलते थे। मैं उसी तरह की मासूमियत के साथ खेलना चाहता हूं... (लेकिन यह) कहना जितना आसान है, करना उतना ही मुश्किल है। बीसीसीआई ने 2021 में खत्म किए गए एक पुराने नियम को फिर से लागू किया है, जिसके अनुसार धोनी आईपीएल 2025 में अनकैप्ड खिलाड़ी के तौर पर खेलेंगे। नियम के अनुसार जिन भारतीय खिलाड़ियों ने पांच साल या उससे ज़्यादा समय तक कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है, वे नीलामी में अनकैप्ड खिलाड़ी के तौर पर शामिल हो सकते हैं।

आर्चर ने एंडरसन को पछाड़ा

सबसे तेज 50 वनडे विकेट लेने वाले इंग्लैंड के गेंदबाज बने

लाहौर, एजेंसी। जोफ्रा आर्चर यहां गद्दाफी स्टेडियम में चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में अफगानिस्तान के खिलाफ ग्रुप बी मुकाबले में 50 वनडे विकेट तक पहुंचने वाले इंग्लैंड के सबसे तेज गेंदबाज बन गए। आर्चर ने धमाकेदार शुरुआत की और बुधवार को तीन तेज विकेट लेकर अफगानिस्तान के शीर्ष क्रम को तहस-नहस कर दिया। इस प्रक्रिया में, उन्होंने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की- एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय (वनडे) क्रिकेट में 50 विकेट पूरे किए। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि वे इंग्लैंड के इतिहास में यह उपलब्धि हासिल करने वाले सबसे तेज गेंदबाज बन गए, उन्होंने दिग्गज जेम्स एंडरसन को पीछे छोड़ दिया।

आर्चर की उपलब्धि से पहले, एंडरसन ने 31 मैचों में इंग्लैंड के लिए वनडे में सबसे तेज 50 विकेट लेने का रिकॉर्ड बनाया था। लेकिन आर्चर एक कदम आगे निकल गए, उन्होंने अपने 30वें वनडे में ही यह उपलब्धि हासिल कर ली। इसके साथ ही उन्होंने स्टीव हार्मिसन (32 मैच), स्टीवन फिन (33 मैच) और स्टुअर्ट ब्रॉड और डैरेन गॉफ (दोनों 34 मैच) सहित अन्य उल्लेखनीय इंग्लिश गेंदबाजों को भी पीछे छोड़ दिया।

वैश्विक मंच पर, श्रीलंका के मिस्ट्री स्पिनर अजंता मेंडिस के नाम अभी भी सबसे तेज 50 वनडे विकेट लेने का विश्व रिकॉर्ड है, जिन्होंने सिर्फ 19 मैचों में यह उपलब्धि हासिल की। तेज गेंदबाजों में, भारत के अजीत अगरकर सबसे तेज गेंदबाजों में से एक हैं, जिन्होंने सिर्फ 23 वनडे में यह उपलब्धि हासिल की है। अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया, लेकिन पावरप्ले में उनका स्कोर 39/3 हो गया। तेज गेंदबाज ने स्ट्राइक बैटर रहमानुल्लाह गुरबाज (6) को इनस्विंगिंग फुलर डिलीवरी से आउट किया। फिर उन्होंने सेदिकुल्लाह अटल को चार रन पर विकेट के सामने लपक लिया। रहमत शाह ने गेंद को पुल करने की कोशिश की, लेकिन गेंद सीधे डीप फाइनलेग में चली गई, जिससे आर्चर का तीसरा विकेट मिल गया। आर्चर को इस मुकाम तक पहुंचने में करीब छह साल लग गए, जबकि 2019 में उन्होंने धमाकेदार शुरुआत की थी, जहां उन्होंने अपने डेब्यू के कुछ महीनों के भीतर ही 23 वनडे विकेट और विश्व कप विजेता पदक जीता था। हालांकि, लगातार चोटों और वनडे प्रारूप की घटती लोकप्रियता ने उनकी प्रगति को धीमा कर दिया। असफलताओं के बावजूद, इस मुकाम तक पहुंचना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया को मत छोड़ो, तुम...

- अख्तर की अफगानिस्तान टीम से खास अपील!

लाहौर, एजेंसी। चैंपियंस ट्रॉफी में अफगानिस्तान ने इंग्लैंड को हराकर बड़ा उलटफेर किया. अफगानिस्तान के खिलाफ इंग्लैंड को 8 रनों से हार का सामना करना पड़ा. वहीं, इस हार के बाद जोस बटलर की कप्तानी वाली इंग्लैंड टूर्नामेंट से बाहर हो गई है. इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को हराया था. अफगानिस्तान ने इंग्लैंड को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को जिंदा रखा है. अब अफगानिस्तान की जीत पर पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने इंस्टाग्राम पोस्ट किया है.

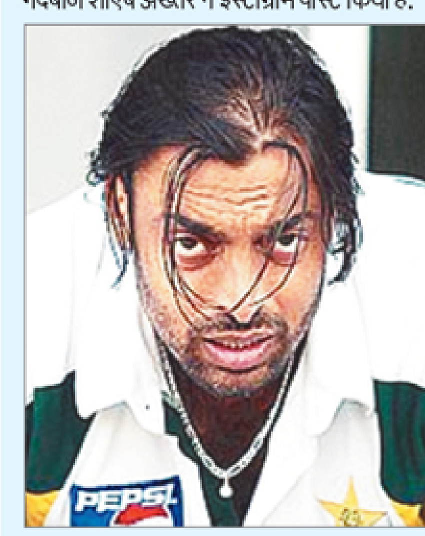

शोएब अख्तर ने कहा कि अफगानिस्तान को बधाई, आपके लिए बहुत खुश हूं.

तुमलोग इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया को मत छोड़ना... शोएब अख्तर वीडियों में कह रहे हैं कि मुझे याद मैंने गुलब्दीन को कहा कि प्लीज इंग्लैंड को हराओ, जिसके जवाब में उसने कहा कि आप टेंशन ना लें भाई, हम अंग्रेजों को हराएंगे. रावलपिंडी एक्सप्रेस ने कहा कि उस समय हम लोग दुबई में थे. मैंने गुलब्दीन को कहा था कि तुमलोग इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया को मत छोड़ना, तुम्हें इन दोनों टीमों के खिलाफ हर हाल में जीतना चाहिए. आपने आज अफगानिस्तान को बहुत गौरवान्वित किया है. अब आपके पास परिपक्वता है. आप जानते हैं कि क्रिकेट कैसे खेलना है. आपने बड़ी टीम को हराया है, आप आज का दिन एंजॉय करें. साथ ही याद रखो आप सेमीफाइनल से आगे खेलोगे.

अफगानिस्तान ने किया उलटफेर

325 के जवाब में 317 पर रोककर इंग्लैंड को 8 रन से हराया

लाहौर, एजेंसी। गद्दाफी स्टेडियम में अफगानिस्तान ने बड़ा उलटफेर करते हुए इंग्लैंड टीम को 8 रन से हरा दिया है। इस हार के साथ ही चैंपियंस ट्रॉफी जीतने की उम्मीदें लगाई बैठी इंग्लैंड टीम को झटका लगा है। इंग्लैंड ने पहला मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से पांच विकेट से गंवा दिया था। अफगानिस्तान के खिलाफ मुकाबले में उनकी गेंदबाजी सही नहीं रही। इब्राहिम जादरान दीवार की तरह खड़े रहे और 146 गेंदों पर 177 रन बनाकर अपनी टीम को 325 रन तक पहुंचा दिया।

जवाब में खेलने उतरी इंग्लैंड टीम ने जो रूट के शतक के कारण मजबूती से वापसी की लेकिन अंतिम ओवरों में विकेट गिर जाने के चलते वह मुकाबला हार गए। अफगानिस्तान के लिए उमरजजई ने 5 विकेट चटकाए। टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी अफगानिस्तान ने खराब शुरूआत की। 5वें ओवर में गुरबाज महज 6 रन बनाकर आऊट हो गए। गेंद जोफ्रा आर्चर के हाथ में थी। उन्होंने इसी ओवर में अटल (4) का विकेट भी निकाल दिया। 9वें ओवर में जोफ्रा ने रहमत शाह (4) को आऊट कर अफगानिस्तान को तीसरा झटका दे दिया। 30वें ओवर में कप्तान शाहिदी को आदिल राशिद ने अपना शिकार बनाया। शाहिदी ने 67

गेंदों पर 40 रन बनाए। इस बीच इब्राहिम जादरान ने अपना शतक पूरा किया। एक छोर पर खड़े उमरजजई ने भी बड़े शॉट लगाए। 40वें ओवर में उमरजजई 31 गेंदों पर 41 रन बनाकर जेमी ओवरटन का शिकार हो गए। क्रीज पर आए मोहम्मद नबी ने इंग्लैंड के गेंदबाजों की खूब खबर ली और टीम स्कोर 300 पार करवा दिया। इब्राहिम जादरान ने जहां 146 गेंदों पर 12 चौके और 6 छक्कों की मदद से 177 रन बनाए तो वहीं, मोहम्मद नबी ने 24 गेंदों पर 2 चौके और 3 छक्कों की मदद से 40 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड ने चौथे ही ओवर में फिल सॉल्ट का विकेट गंवा दिया। जेमी स्मिथ सातवें ओवर में नबी का शिकार हो गए। इस के बाद बेन डकेट के साथ मिलकर जो रूट ने इंग्लैंड की पारी को संभाला।

न्यूजीलैंड के खिलाफ नहीं खेलेंगे रोहित शर्मा?

चैंपियंस ट्रॉफी में बड़े मुकाबले से ठीक पहले भारत को लग सकता है बड़ा झटका

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में न्यूजीलैंड के खिलाफ बड़े मैच से पहले रोहित शर्मा की चोट की खबरों ने क्रिकेट जगत में हलचल मचा दी है। पाकिस्तान के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी मुकाबले में जीत के बाद भले ही रोहित ने अपनी हैमस्ट्रिंग को ठीक बताया

हो, लेकिन ताजा रिपोर्ट्स कुछ और ही कहानी बयां कर रही हैं। दुबई में आईसीसी अकादमी में नेट्स सेशन के दौरान रोहित की गतिविधियों से उनकी चोट की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है। भारत का अगला मुकाबला न्यूजीलैंड से रविवार को है। विराट कोहली ने नेट्स में जमकर अभ्यास किया, वहीं मोहम्मद शमी भी पूरी लय में गेंदबाजी करते नजर आए। गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल निजी कारणों से घर जाने के बाद टीम में वापस लौट आए हैं।

स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच के साथ दिखे कप्तान रोहित शर्मा – रोहित शर्मा की चोट की खबरें चिंता का विषय बनी हुई हैं। पाकिस्तान के खिलाफ मैच के बाद रोहित ने कहा था कि उनकी हैमस्ट्रिंग ठीक है, लेकिन मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रोहित ने नेट्स सेशन में कोई भी शारीरिक गतिविधि नहीं की। वह पूरे सेशन में थ्रोडाउन का सामना भी नहीं किया। यह सेशन पाकिस्तान के खिलाफ 6 विकेट से जीत के बाद दो दिन के ब्रेक के बाद हुआ था। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि रोहित स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच सोहम देसाई की निगरानी में हल्के-हल्के जॉगिंग करते नजर आए।

नेट पर प्रैक्टिस नहीं की, सिर्फ खिलाड़ियों से बातचीत करते दिखे – रोहित पूरे नेट्स सेशन में मौजूद रहे और उन्होंने मुख्य कोच गौतम गंभीर और बाकी कोचिंग स्टाफ के साथ कई बार बातचीत की, लेकिन उन्होंने कोई भी गेंद का सामना नहीं किया। दूसरी तरफ, विराट कोहली ने नेट्स में हर तरह की गेंदबाजी का सामना किया। विराट ने न केवल कुलदीप यादव, अक्षर पटेल और रविंद्र जडेजा जैसे गेंदबाजों का सामना किया, बल्कि नेट गेंदबाजों के खिलाफ भी आधे घंटे से ज्यादा समय तक अभ्यास किया। विराट न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले मैच के लिए पूरी तरह से तैयार नजर आ रहे हैं।

मोहम्मद शमी दिखे फिट – मोहम्मद शमी, जो पाकिस्तान के खिलाफ मैच की शुरुआत में थोड़ी परेशानी में दिख रहे थे, नेट्स में पूरी रफ्तार से गेंदबाजी की। वो दोनों तरफ गेंद स्विंग करा रहे थे और उन्होंने कोहली को दो बार पैड पर गेंद मारी। हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह भी सेशन के दौरान अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए दृढ़ दिखे। गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल, जो निजी आपात स्थिति के चलते घर गए थे, अब टीम में वापस आ गए हैं। मोर्कल को 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी के पहले मैच से कुछ दिन पहले भारतीय टीम का कैंप छोड़ना पड़ा था।

चैंपियंस ट्रॉफी में दूसरी बार खिलाड़ियों की सुरक्षा दाव पर, अफगानी खिलाड़ियों को खींचा

रावलपिंडी (एजेंसी)। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में जब अफगानिस्तान के प्लेयर इंग्लैंड को हराकर मैदान पर जश्न मना रहे थे तब एक दर्शक सुरक्षा को तोड़कर अफगानी खिलाड़ियों तक जा पहुंचा। उक्त शख्स ने अफगानी खिलाड़ियों को गले लगाने की कोशिश की। हालांकि, सुरक्षाकर्मी तुरंत दौड़े और उस व्यक्ति को बाहर ले गए। लेकिन एक बार फिर से ऐसी घटना होने से क्रिकेट जगत सकते में है। यह पहली बार नहीं है जब इस टूर्नामेंट में किसी मैच के दौरान किसी आदमी ने पिच पर हमला किया हो। न्यूजीलैंड बनाम बांग्लादेश मैच के दौरान, पाकिस्तान में एक आतंकवादी समूह के एक समर्थक को पिच में दौड़ते हुए और रचिन रवींद्र को पीछे से पकड़ने की कोशिश करते देखा गया था।

तब सुरक्षा गार्ड ने उक्त व्यक्ति को पकड़ लिया था। प्रशासन ने शख्स के खिलाफ सख्त कदम उठाने का फैसला लिया था। कहा गया कि उक्त व्यक्ति पर पाकिस्तान में किसी भी क्रिकेट स्थल में प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। हालांकि, पीसीबी इस बात पर जोर दे रही है कि रावलपिंडी और लाहौर में पिच पर लगातार हमलों के बाद बोर्ड सभी स्थानों पर सख्त सुरक्षा प्रोटोकॉल अपना रहा है।

चैंपियस ट्राफी

पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए बनाई है योजना, अफगान कप्तान शाहिदी का खुलासा

लाहौर (एजेंसी)। अफगानिस्तान के कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी ने चैंपियंस ट्रॉफी में शुक्रवार को खेले जाने वाले अपने करो या मरो जैसे अहम लीग मैच की पूर्व संध्या पर कहा कि उनकी टीम ने सिर्फ दिग्गज ग्लेन मैक्सवेल नहीं, बल्कि पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए योजनाएं बनाई है। इंग्लैंड पर बुधवार को आठ रन की यादगार जीत दर्ज करने के बाद अफगानिस्तान के सामने सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए शुक्रवार को ऑस्ट्रेलिया को हराने की चुनौती है।

शाहिदी ने मैच पूर्व कहा, 'क्या आपको लगता है कि हम सिर्फ मैक्सवेल के खिलाफ खेलने आएंगे? क्या आपको लगता है ऐसा ही होगा? हमने पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए योजना बनाई है। मुझे पता है कि उसने (मैक्सवेल) 2023 विश्व कप में वास्तव में अच्छा खेला था लेकिन वह इतिहास का हिस्सा है।

ऑस्ट्रेलिया ने 2023 विश्व कप में जीत के लिए 292 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 100 रन के अंदर सात विकेट गंवा दिये थे लेकिन मैक्सवेल ने एकदिवसीय क्रिकेट के इतिहास की सबसे महान पारियों में से एक खेलकर अपनी टीम को अविश्वसनीय जीत दिलाई। ऑस्ट्रेलिया ने इसके कुछ ही दिनों के बाद रिकॉर्ड छठा विश्व कप जीता। अफगानिस्तान ने हालांकि उस हार का बदला एक साल बाद टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत के साथ लिया। इस मैच में भी मैक्सवेल ने आक्रामक बल्लेबाजी कर टीम को चुनौती दी थी।

शाहिदी ने कहा, 'उसके बाद हमने उन्हें टी20 विश्व कप में हराया। हम प्रतिद्वंद्वी टीम के सभी खिलाड़ियों के बारे में सोचते हैं। हम सिर्फ व्यक्तिगत खिलाड़ियों पर योजना के साथ मैदान पर नहीं आ रहे हैं। हम पूरी टीम के लिए योजना के साथ आने की पूरी कोशिश करेंगे। हम सिर्फ मैक्सवेल के खिलाफ नहीं खेलेंगे। हम ऑस्ट्रेलिया से खेलेंगे।

इंग्लैंड के खिलाफ जीत से अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में जबरदस्त जश्न मनाया गया। प्रशंसकों ने सड़कों पर आतिशबाजी के साथ जश्न मनाया। अफगानिस्तान अगर ऑस्ट्रेलिया को हराने में सफल रहा तो वह 2024 में अमेरिका और वेस्टइंडीज में हुए टी20 विश्व कप के बाद एक साल से भी कम समय में आईसीसी प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में लगातार दूसरी बार पहुंचेगा। शाहिदी हालांकि सेमीफाइनल में पहुंचने की संभावनाओं के बारे में ज्यादा नहीं सोच रहे हैं। शाहिदी ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह एक अच्छा मैच होगा। हमारा ध्यान चीजों को सरल रखने पर होगा और सेमीफाइनल खेलने के बारे में ज्यादा चिंता नहीं करनी होगी। हम अपनी चीजों को अच्छे से करने की कोशिश करेंगे और अच्छी योजना के साथ मैदान पर उतरने की कोशिश करेंगे।

खनिज समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए अमेरिका आ रहे हैं जेलेंस्की : ट्रंप

» वाशिंगटन, भाषा।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की बहुप्रतीक्षित खनिज समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए शुक्रवार को व्हाइट हाउस (अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) आएंगे। ट्रंप ने राष्ट्रपति के रूप में अपने दूसरे कार्यकाल की पहली कैबिनेट बैठक की शुरुआत में यह घोषणा की और इस समझौते को एक बहुत बड़ा समझौता बताया। रिपब्लिकन पार्टी के नेता ट्रंप लंबे समय से यह शिकायत करते रहे हैं कि अमेरिका ने तीन साल से जारी युद्ध में रूस के खिलाफ यूक्रेन की सहायता के लिए करदाताओं का बहुत अधिक धन खर्च किया है। यह समझौता अमेरिका को यूक्रेन के तथाकथित दुर्लभ खनिजों के भंडार तक पहुंच प्रदान करेगा जिनका उपयोग एयरोस्पेस, रक्षा और परमाणु उद्योगों में किया जाता है। ट्रंप ने कहा, पिछले प्रशासन ने हमें बहुत बुरी स्थिति में डाल दिया था लेकिन हम ऐसा समझौता तैयार करने में सफल रहे हैं जिसके तहत हमें धन वापस मिलेगा और भविष्य में भी हमें बहुत सारा पैसा मिलेगा।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बुधवार को कहा था कि अमेरिका के साथ आर्थिक समझौता की रूपरेखा तैयार है, लेकिन रूस के साथ युद्ध में कीव के लिए महत्वपूर्ण माने जाने वाली अमेरिकी सुरक्षा गारंटी पर अभी फैसला होना बाकी है और पूर्ण समझौता शुक्रवार को वाशिंगटन में होने वाली वार्ता पर निर्भर करेगा। जेलेंस्की ने कीव में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि जिस रूपरेखा समझौते पर सहमति बनी है, वह उस व्यापक समझौते की दिशा में एक प्रारंभिक कदम है, जिस पर यूक्रेन की संसद की मंजूरी की जरूरत होगी। जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन को पहले यह जानना होगा कि अमेरिका अपने निरंतर सैन्य समर्थन के मामले में कहां खड़ा है। उन्होंने कहा कि उन्हें वाशिंगटन की यात्रा के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ व्यापक बातचीत की उम्मीद है। उन्होंने कहा, यह (आर्थिक) समझौता भविष्य की सुरक्षा गारंटी का हिस्सा हो सकता है, लेकिन मैं व्यापक दृष्टिकोण को समझना चाहता हूं। एसोसिएटेड प्रेस ने इस समझौते का ताजा संस्करण देखा है जिसमें कहा गया है कि अमेरिका स्थाई शांति स्थापित करने के लिए आवश्यक सुरक्षा गारंटी प्राप्त करने के यूक्रेन के प्रयासों का समर्थन करता है। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने बुधवार को फिर से स्पष्ट किया कि समझौते को स्वीकार करना शुक्रवार को जेलेंस्की को मिलने के लिए ट्रंप के निमंत्रण की एक आवश्यक शर्त थी। जेलेंस्की ने कहा, यह समझौता या तो बहुत सफल हो सकता है या चुपचाप खत्म हो सकता है। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि सफलता राष्ट्रपति ट्रंप के साथ हमारी बातचीत पर निर्भर करती है। मैं अमेरिका के साथ समन्वय करना चाहता हूं। ट्रंप ने अमेरिका की कुछ पिछली नीतियों को अचानक छोड़ दिया है। उन्होंने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को अलग-थलग करने के प्रयासों को रद्द कर दिया।

ट्रंप ने वेनेजुएला के तेल को निर्यात और बिक्री की अनुमति देने वाला लाइसेंस खत्म किया

काराकस (वेनेजुएला)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को घोषणा की कि ऊर्जा क्षेत्र की अमेरिकी कंपनी शेवरॉन कॉरपोरेशन को वेनेजुएला से तेल निकालने और निर्यात करने की अनुमति देने वाला सरकार द्वारा जारी परमिट इस सप्ताह समाप्त कर दिया जाएगा। दक्षिण अमेरिकी देश के लिए वित्तीय जीवनरेखा बन चुके इस समझौते के समाप्त हो जाने से वेनेजुएला को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ सकता है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट ट्रुथ सोशल पर इसकी घोषणा की और निकोलस मादुरो के नेतृत्व वाली वेनेजुएला सरकार पर पिछले वर्ष जुलाई में हुए राष्ट्रपति चुनाव के लिए लोकतांत्रिक शर्तों को पूरा नहीं करने तथा निर्वासन को तैयार वेनेजुएला के प्रवासियों को वापस भेजने के संबंध में पर्याप्त तेजी से कदम नहीं उठाने का आरोप लगाया। ट्रंप ने लिखा, हमने तेल लेनदेन समझौते पर वेनेजुएला के निकोलस मादुरो को जो रियायतें दी थीं, उन्हें वापस ले रहे हैं। ट्रंप के पोस्ट में विशेष रूप से कैलिफोर्निया स्थित शेवरॉन का उल्लेख नहीं किया गया था और न ही परमिट का जिक्र किया गया था जिसे औपचारिक रूप से सामान्य लाइसेंस के रूप में जाना जाता है। यह परमिट कंपनी को आर्थिक प्रतिबंधों से छूट देती है और इससे कंपनी को अमेरिका में वेनेजुएला के तेल का निर्यात और बिक्री करने की अनुमति मिलती है।शेवरॉन कॉरपोरेशन को वेनेजुएला के तेल को निर्यात एवं बिक्री करने की अनुमति वाला यह एकमात्र लाइसेंस है जो ट्रंप की सोशल मीडिया पर वेनेजुएला के संबंध में की गई घोषणा से मेल खाता है। राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने 2022 में इस लाइसेंस को इस आधार पर अधिकृत किया था मादुरो लोकतांत्रिक चुनाव के लिए वेनेजुएला के राजनीतिक विपक्ष के साथ काम करेंगे और मादुरो ने इस पर सहमति जताई थी।

नई योजना में अमेरिकी कंपनियां भारतीय स्नातकों को नियुक्त कर सकेंगी : ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि प्रस्तावित गोल्ड कार्ड पहल से अमेरिकी कंपनियों को हार्वर्ड और स्टैनफोर्ड जैसे शीर्ष अमेरिकी विश्वविद्यालयों से भारतीय स्नातकों को नियुक्त करने की अनुमति मिलेगी। ट्रंप ने बुधवार को धनी विदेशियों के लिए गोल्ड कार्ड पहल की शुरुआत की, जिसके तहत 50 लाख अमेरिकी डॉलर के शुल्क के बदले उन्हें अमेरिका में रहने और काम करने का अधिकार दिया जाएगा तथा नागरिकता की पेशकश की जाएगी। सीएनएन की खबर के मुताबिक, ट्रंप ने कहा, हम गोल्ड कार्ड की बिक्री करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा, आपके पास ग्रीन कार्ड है। यह एक गोल्ड कार्ड है। हम इस कार्ड की कीमत लगभग 50 लाख अमेरिकी डॉलर रखने जा रहे हैं और इससे आपको ग्रीन कार्ड के विशेषाधिकार मिलेंगे, साथ ही यह अमेरिकी नागरिकता पाने का मार्ग भी प्रशस्त करेगा। इस कार्ड के जरिए अमीर लोग अमेरिका का रुख करेंगे। ट्रंप ने कहा कि मौजूदा आव्रजन प्रणाली ने शीर्ष अंतरराष्ट्रीय प्रतिभाओं, खासकर भारतीय को, अमेरिका में रहने और काम करने से रोक दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, कोई व्यक्ति भारत, चीन, जापान और अन्य देशों से आता है, हार्वर्ड या व्हार्टन स्कूल ऑफ फाइनेंस में पढ़ाई करता है... उन्हें नौकरी के अवसर मिलते हैं, लेकिन यह अवसर प्रभावित होते हैं क्योंकि इस बारे में कोई निश्चितता नहीं होती कि वह व्यक्ति देश में रह सकता है या नहीं।

संगोष्ठी में सीईए नागेश्वरन मुख्य वक्ता थे

भारत का विकास संबंधी अनुभव अन्य देशों के लिए मिसाल बन सकता है : सीईए नागेश्वरन

» जोहानिसबर्ग, भाषा।

सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन ने कहा कि भारत के विकास संबंधी अनुभव अन्य देशों के लिए मिसाल बन सकते हैं। सीईए नागेश्वरन ने यहां दक्षिण अफ्रीका और भारत के प्रमुख प्रवासी व्यापारिक नेताओं की संगोष्ठी में मंगलवार को यह बात की। भारतीय उच्चायोग, जोहानिसबर्ग स्थित महावाणिज्य दूतावास और सीआईआई इंडिया व्यापार मंच द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित संगोष्ठी में सीईए नागेश्वरन मुख्य वक्ता थे। सीआईआई इंडिया व्यापार मंच दक्षिण अफ्रीका में निवेश करने वाली 150 से अधिक भारतीय कंपनियों का प्रतिनिधित्व करता है। सीईए नागेश्वरन ने कहा, भारत सबसे अधिक आबादी वाला देश है जो लोकतांत्रिक राजनीति के संदर्भ में और संघीय शासन संरचना के संदर्भ में खुद को एक विकसित राष्ट्र में बदलने की कोशिश कर रहा है। इसलिए, भारत के अनुभव (दक्षिण अफ्रीका) सहित कई देशों के लिए बहुत उपयोगी साबित हो सकते हैं।

उन्होंने विकसित भारत योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा, भारत सदैव उत्साह व अवसरों की भूमि रहेगा जहां अन्य देशों के लिए सीखने के अनेक सार्वजनिक नीति प्रतिमान होंगे क्योंकि हम अगले 25 वर्षों में 3000 अरब से 13000 अरब तक की यात्रा करेंगे। सीईए नागेश्वरन ने यह भी सुझाव दिया कि नए वैश्विक परिवेश में साझेदारी के प्रति बदले हुए दृष्टिकोण की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, पिछले विश्व युद्ध के बाद से किसी भी समय देशों को एक-दूसरे पर इतना निर्भर होने की आवश्यकता नहीं पड़ी जितनी कि अब है। मुख्य आर्थिक सलाहकार ने कहा, हमें खुले विचारों वाला होना चाहिए। इसलिए हम साझेदारी बनाने में चुनाव नहीं कर सकते बल्कि अवसरवादी बनें क्योंकि दुनिया अभी उथल-पुथल के दौर से गुजर रही है। ...हमें खुद को किसी स्थिति में बांधकर नहीं रखना चाहिए। कार्यक्रम में एक अन्य वक्ता गौतेंग ग्रोथ एंड डेवलपमेंट एजेंसी के साकी जामक्साका ने कहा कि भारत के साथ साझेदारी के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्रों में खनिज संसाधन भी शामिल हैं। उन्होंने कहा, जैसा कि हम अपने खनिज संवर्धन का निर्माण कर रहे हैं, जो कि अवसर का एक हिस्सा है, क्योंकि ऐसे खनिज हैं जो भारत के विकास के लिए आवश्यक होंगे, जिन्हें हम निर्यात कर सकते हैं। आईबीएफ के अध्यक्ष निहार पटनायक ने भारत में विविध क्षेत्रों में तेजी से हो रहे विकास का उल्लेख किया। पटनायक ने कहा, हम भारत के हर कोने से स्टार्टअप और युवा अरबपतियों को उभरते हुए देख रहे हैं। उच्चायुक्त प्रभात कुमार ने कहा कि भारत वर्तमान में चीन और अमेरिका के बाद दक्षिण अफ्रीका का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है, हालांकि उन्हें विश्वास है कि वह जल्द दूसरा सबसे बड़ा साझेदार बन जाएगा। कुमार ने कहा, जर्मनी और भारत इस स्थान के लिए होड़ कर रहे हैं। चीन बहुत बड़ा है, लेकिन निकट भविष्य में हम अपने सभी लोगों के सहयोग से निर्यात और आयात दोनों में नंबर दो बन सकते हैं।

बहुपक्षवाद का अस्तित्व खत्म होना वैश्विक वृद्धि व स्थिरता के लिए खतरा : रामफोसा

» जोहानिसबर्ग, भाषा।

दक्षिण अफ्रका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने कहा है कि बहुपक्षवाद का अस्तित्व खत्म होना वैश्विक वृद्धि व स्थिरता के लिए खतरा उत्पन्न करता है। उन्होंने आर्थिक स्थिरता, सतत विकास, विवादों के निपटान और वैश्विक संघर्ष के समाधान के लिए नियम आधारित व्यवस्था का आह्वान किया। रामफोसा ने बुधवार को केपटाउन में दक्षिण अफ्रीका की जी-20 अध्यक्षता के तहत वित्त मंत्रियों व केंद्रीय बैंक गवर्नर की दो दिवसीय बैठक को संबोधित करते हुए यह बात कही। रामफोसा ने कहा, जी-20 की स्थापना सहयोग के सिद्धांत पर की गई थी। वैश्विक अनिश्चितता और बढ़ते तनाव के इस दौर में यह पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है कि जी-20 के सदस्य एक साथ मिलकर काम करें।

उन्होंने कहा, बहुपक्षवाद का अस्तित्व खत्म होना वैश्विक विकास और स्थिरता के लिए खतरा उत्पन्न करता है। हम पिछले दशकों के अनुभव से जानते हैं कि आर्थिक स्थिरता व सतत विकास के लिए निष्पक्ष, पारदर्शी और समावेशी नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की बेहद आवश्यकता है। रामफोसा ने कहा, भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के इस दौर में विवादों से निपटने और संघर्ष को सुलझाने के लिए नियम-आधारित व्यवस्था विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। अमेरिका, चीन, जापान, भारत और कनाडा के वित्त मंत्री इस बैठक में शामिल नहीं हुए।

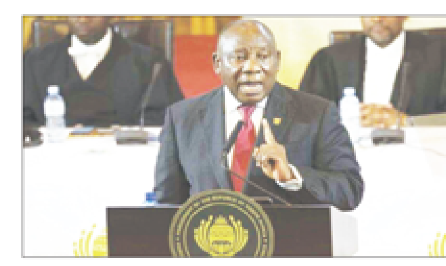

यूएसएआईडी के 90 प्रतिशत विदेशी सहायता अनुबंधों में कटौती की जा रही : ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने बुधवार को कहा कि वह यूएस एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (यूएसएआईडी) के 90 से अधिक विदेशी सहायता अनुबंधों को समाप्त कर रहा है और दुनिया भर में कुल 60 अरब डॉलर की अमेरिकी सहायता को बंद कर रहा है। प्रशासन द्वारा की गई इस कटौती के बाद यूएसएआईडी की कुछ ही परियोजनाएं बचेंगी। ट्रंप प्रशासन ने एक आंतरिक ज्ञापन तथा बुधवार को एक संघीय मुकदमे में दाखिल दस्तावेजों में अपनी योजनाओं की रूपरेखा प्रस्तुत की। इस ज्ञापन की प्रति द एसोसिएटेड प्रेस के पास भी है। अमेरिका के उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को इस मामले में हस्तक्षेप किया और एक न्यायाधीश के उस आदेश पर अस्थाई रूप से रोक लगा दी, जिसमें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले प्रशासन को अन्य देशों के लिए अरबों डॉलर की अमेरिकी सहायता जारी करने के संबंध में मध्य रात्रि तक की समय सीमा दी गई थी। प्रधान न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स ने कहा कि यू.एस. डिस्ट्रिक्ट जज आमिर एच. अली द्वारा जारी आदेश पर तब तक रोक रहेगी जब तक कि उच्च न्यायालय इस पर पूरी तरह से विचार नहीं कर लेता। अली ने संघीय सरकार को विदेशी सहायता पर अस्थाई रोक लगाने के उनके फैसले का अनुपालन करने का आदेश दिया था। यह फैसला गैर-लाभकारी समूहों और व्यवसायों द्वारा दायर मुकदमे में सुनाया गया था। एक अपीली पैनल ने हस्तक्षेप करने के प्रशासन के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया था। संघीय सरकार ने ट्रंप के एक कार्यकारी आदेश के बाद विदेशी सहायता पर रोक लगा दी थी, जिसमें उन कार्यक्रमों को निशाना बनाया गया था जो ट्रंप के अनुसार बेकार हैं और अमेरिका की विदेश नीति के लक्ष्यों के अनुरूप नहीं हैं। ट्रंप और उनके सहयोगी एलन मस्क ने संघीय सरकार के आकार में कटौती करने के अपने प्रयास के तहत विदेशों को दी जाने वाले सहायता के खिलाफ कठोर कदम उठाए हैं।

न्यूज ब्रीफ

दक्षिण अफ्रीका के टेबल माउटेन में लगी आग बुझाने में जुटे 100 से अधिक दमकलकर्मी

» केप टाउन, भाषा।

दक्षिण अफ्रीका के टेबल माउंटेन के ढलानों में लगी आग बुझाने के लिए बुधवार को 100 से अधिक दमकलकर्मी तैनात किए गए और राष्ट्रीय उद्यान अधिकारियों ने कहा कि केपटाउन तक आग फैलने से पहले उसे नियंत्रित करने के लिए प्रयास कर रहे हैं। टेबल माउंटेन दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन में स्थित समतल शीर्ष वाला पर्वत है जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता और जैव विविधता के लिए प्रसिद्ध है। टेबल माउंटेन का प्रबंधन करने वाले साउथ अफ्रीकन नेशनल पार्क्स ने बताया कि आग बुझाने के लिए 115 दमकलकर्मियों के साथ चार हेलीकॉप्टर और दो विमानों को तैनात किया गया है और आग पर काबू पाने में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। टेबल माउंटेन की चोटी पर यह आग रविवार से लगी थी जो तेज हवाओं के कारण ढलानों पर फैलती गई।

इसी बीच, केप टाउन में बुधवार को जी-20 देशों के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों की बैठक शुरू हुई जो बृहस्पतिवार तक चलेगी। हालांकि, इस आग से बैठक को कोई खतरा नहीं है। केप टाउन क्षेत्र में दिसंबर से अप्रैल के बीच गर्म और शुष्क मौसम में आग लगना आम बात है। इस दौरान तेज तटीय हवाएं चलती हैं और आग फैल जाती है। टेबल माउंटेन पर वर्ष 2021 में लगी आग हाल के वर्षों में सबसे भयावह थी जिसने केप टाउन विश्वविद्यालय की ऐतिहासिक इमारतों को नष्ट कर दिया था और कई इलाकों को खाली कराना पड़ा था। हालिया आग में अब तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। राष्ट्रीय उद्यान अधिकारियों ने बताया कि दमकलकर्मी रातभर तैनात रहेंगे क्योंकि हवाएं तेज होने पर आग फिर से भड़क सकती है।

हमास ने चार बंधकों के शव रेडक्रॉस को सौंपे, फलस्तीनी कैदियों को इजराइली जेल से रिहा किया गया

» खान यूनिस (गाजा पट्टी), भाषा।

हमास ने गाजा पट्टी में युद्ध विराम समझौते के पहले चरण के समाप्त होने से कुछ दिन पहले, इजराइल द्वारा सैकड़ों फलस्तीनी कैदियों को रिहा किए जाने के बदले में बृहस्पतिवार को तड़के चार बंधकों के शवों को रेड क्रॉस को सौंप दिया। इजराइल के एक सुरक्षा अधिकारी ने पुष्टि की कि हमास ने बंधकों के शवों को रेड क्रॉस को सौंप दिया है। इजराइल ने कहा कि ताबूतों को मिस्र के मध्यस्थों की मदद से इजराइली सीमा के जरिए पहुंचाया गया और पहचान की प्रक्रिया शुरू हो गई है। जब हमास ने बंधकों के शव सौंपे, लगभग उसी समय रेड क्रॉस का काफिला रिहा किए गए कई दर्जन फलस्तीनी कैदियों को लेकर इजराइल की ओफर जेल से निकला। वेस्ट बैंक के बेतुनिया शहर में जयकारे लगाते परिवारों, दोस्तों और समर्थकों की भीड़ जमा हो गई, जो बस के आते ही उसकी एक झलक पाने के लिए धक्का-मुक्की कर रहे थे।

रिहा किए गए कैदियों का उनके शुभचिंतकों ने स्वागत किया, उन्हें गले लगाया और तस्वीरें खींचीं। रिहा किए गए एक व्यक्ति ने विजय चिह्न बनाया। उसे उसके समर्थकों ने कंधों पर उठा लिया और भीड़ ने अल्लाहु अकबर के नारे लगाए। इन कैदियों में से कई को सात अक्टूबर, 2023 के हमलों के बाद हिरासत में लिया गया था और उन पर कभी कोई आरोप नहीं लगाया गया। इससे पहले, इजराइल को शनिवार को 600 से अधिक फलस्तीनी कैदियों को रिहा करना था लेकिन उसने उससे पहले कहा कि सैकड़ों फलस्तीनी कैदियों की रिहाई तब तक नहीं की जाएगी जब तक कि गाजा में बंधक बनाकर रखे गए और लोगों की रिहाई सुनिश्चित नहीं हो जाती तथा बंधकों को अपमानजनक तरीके से सौंपना बंद नहीं किया जाता।

हमास संघर्ष विराम के अगले चरण की वार्ता के लिए तैयार

खान यूनिस। हमास ने इजराइल द्वारा कैद किए गए 600 से अधिक फलस्तीनियों की रिहाई के बदले चार बंधकों के शव सौंपने के बाद बृहस्पतिवार को कहा कि वह गाजा में संघर्ष विराम के अगले चरण पर वार्ता करने के लिए तैयार है। दोनों पक्षों के बीच इस सप्ताह के अंत में खत्म होने जा रहे एक संघर्ष विराम समझौते के तहत कैदियों-बंधकों की अदला-बदली का यह अंतिम चरण था। दूसरे चरण पर बातचीत अभी शुरू नहीं हुई है। इस चरण के तहत हमास को कैदियों की रिहाई और एक स्थाई युद्ध विराम के बदले में दर्जनों शेष बंधकों को रिहा करना है। बंधकों के परिवारों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक इजराइली समूह ने कहा कि बृहस्पतिवार को तड़के सौंपे गए सभी चार बंधकों के शवों की पहचान कर ली गई है। होस्टेजेस एंड मिसिंग फैमिलीज फोरम ने बताया कि ओहाद याहालोमी, इत्जाक एल्गरात और श्लोमो मंत्जूर, साशी इदान के शवों की पहचान हो गई है। हमास ने एक बयान में कहा कि इजराइल के लिए शेष बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करने का एकमात्र तरीका बातचीत और समझौते का पालन करना है।

हमास ने और चार बंधकों के शव सौंपे, इजराइल ने भी फलस्तीनी कैदियों को रिहा किया

यरूशलम। गाजा पट्टी में संघर्ष विराम के तहत चरमपंथी समूह हमास ने बृहस्पतिवार तड़के और चार बंधकों के शव सौंप दिए जबकि इजराइल ने सैकड़ों फलस्तीनी कैदियों को रिहा किया है। संघर्ष विराम के पहले चरण के तहत इजराइली बंधकों को छोड़े जाने और फलस्तीनी कैदियों की रिहाई की यह अंतिम नियोजित अदला-बदली है। आगे की योजना पर इजराइल और हमास के बीच बातचीत होनी अभी बाकी है। संघर्ष विराम लागू होने के बाद से कुल मिलाकर, 33 इजराइलियों को मुक्त किया गया है। इनमें वे आठ इजराइली भी शामिल हैं जिनके शव सौंपे गए हैं। येआठों बंधक रखे जाने के दौरान या सात अक्टूबर 2023 को इजराइल पर किए गए हमास के हमले के दौरान मारे गए थे। इससे अलग, पांच थाई बंधकों को भी मुक्त किया गया है। हमास के चरमपंथियों ने 7 अक्टूबर 2023 के हमले के दौरान 251 लोगों का अपहरण कर लिया था और लगभग 1,200 लोगों की हत्या कर दी थी। वहीं, गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार गाजा में 48,000 से अधिक फलस्तीनी युद्ध में मारे गए हैं। मृतकों में ज्यादातर महिलाएं एवं बच्चे हैं।संघर्ष विराम के पहले चरण के दौरान, इजराइल ने बंधकों के बदले में लगभग 2,000 फलस्तीनी कैदियों और बंदियों को रिहा किया।

ताइवान ने उसके तट पर सैन्य अभ्यास करने के लिए चीन की निंदा की

» ताइप, भाषा।

ताइवान ने उसके दक्षिण-पश्चिम तट पर सैन्य अभ्यास के लिए बृहस्पतिवार को चीन की निंदा की। चीन ने स्व-शासित द्वीप के दक्षिण-पश्चिमी तट पर गोलीबारी अभ्यास करने के लिए एक क्षेत्र निर्धारित किया है। चीन इस द्वीप को अपना प्रांत मानता है, जिसे जरूरत पड़ने पर बलपूर्वक लिया जा सकता है और हाल के वर्षों में उसने ताइवान के जल एवं हवाई क्षेत्र के आसपास सैन्य गतिविधियां बढ़ा दी हैं।

ताइवान के विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा, चीन क्षेत्रीय शांति एवं स्थिरता के लिए सबसे बड़ा संकट है तथा ताइवान जलडमरूमध्य और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता के लिए वह एकमात्र और सबसे बड़ा खतरा है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि 24 घंटे की अवधि में उसने ताइवान के आसपास 45 विमानों, 14 नौसैनिक जहाजों और चीनी सेना के एक जहाज को देखा, जिनमें से 34 उसके जल और हवाई क्षेत्र में घुस आए थे। ताइवान ने इस बारे में विस्तार से कोई जानकारी दिए बिना कहा कि उसने इसका माकूल जवाब दिया।

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में जम्मू-कश्मीर का मुद्दा

भारत ने पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मदद के भरोसे टिका एक नाकाम देश बताया

» संयुक्त राष्ट्र जिनेवा, भाषा।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाने पर पाकिस्तान की आलोचना करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय मदद पर टिका एक नाकाम देश कर्तव्यनिष्ठा से अपने सैन्य-आतंकवादी गठजोड़ द्वारा फैलाए गए झूठ को आगे बढ़ाता है। भारत ने बुधवार को जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के 58वें नियमित सत्र में उत्तर देने के अपने अधिकार का इस्तेमाल करते हुए जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाने पर पाकिस्तान को करारा जवाब दिया। जिनेवा में स्थित संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई मिशन के सलाहकार क्षितिज त्यागी ने कहा, भारत पाकिस्तान द्वारा किए गए निराधार और दुर्भावनापूर्ण संदर्भों के जवाब में उत्तर देने के अपने अधिकार का इस्तेमाल कर रहा है।

यह खेदजनक है, लेकिन आश्चर्यजनक नहीं कि पाकिस्तान के तथाकथित नेता और प्रतिनिधि अपने सैन्य-आतंकवादी गठजोड़ द्वारा फैलाए गए झूठ का कर्तव्यनिष्ठ से प्रचार कर रहे हैं। त्यागी ने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक नाकाम देश इस परिषद का समय बर्बाद कर रहा है, जो अस्थिरता पर पनपता है और अंतरराष्ट्रीय सहायता पर टिका है। इसकी बयानबाजी से पाखंड की बू आती हैअ इसकी हरकतों में अमानवीयता हैअ और इसके शासन में अक्षमता है। उन्होंने कहा, केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हमेशा से भारत के अभिन्न अंग थे और आगे भी रहेंगे। जम्मू-कश्मीर में पिछले कुछ सालों में हुई अभूतपूर्व, राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक तरक्की खुद ही सबकुछ बयां कर रही है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को भारत के बारे में सोचने से ज्यादा अपने देश के नागरिकों की मुश्किलें दूर करने पर ध्यान देना चाहिए। त्यागी ने ऑर्गेनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन (ओआईसी) को लेकर भी पाकिस्तान पर निशाना साधा। त्यागी ने आगे कहा कि पाकिस्तान इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) का भी मजाक बना रहा है। उन्होंने कहा, वह (पाकिस्तान) इसे (ओआईसी) अपना मुखपत्र बताकर इसका दुरुपयोग कर रहा है। हम इस तरह के दुष्प्रचार को बढ़ावा नहीं देना चाहते, लेकिन रिकॉर्ड के लिए कुछ सरल बातें कहने को विवश हैं।

फिलीपीन में आग लगने से तीन मंजिला इमारत खाक आठ लोगों की मौत

मनीला। फिलीपीन के राजधानी क्षेत्र में बृहस्पतिवार तड़के आग लगने से तीन मंजिला एक आवासीय इमारत एक घंटे के अंदर जलकर खाक हो गई और इसमें आठ लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि आग के कारण कम से कम एक व्यक्ति घायल हो गया। उन्होंने कहा कि ज्यादातर लकड़ी से बनी इमारत में आग आधी रात के बाद तब लगी जब लोग सो रहे थे। यह इमारत उपनगरीय क्वेजोन शहर के सैन इसिड्रो गलास गांव में स्थित थी। आग के कारणों का पता लगाने के लिए जांच चल रही है। वरिष्ठ अग्निशमन अधिकारी रोलांडो वालेना ने गवाहों का हवाला देते हुए एपी को बताया कि मृतकों में से दो के शव भूतल पर पाए गए और छह अन्य के शव दूसरी मंजिल पर पाए गए जहां से संभवतः आग लगी थी। यह आग फिलीपीन में मार्च में अग्नि-निवारण माह की शुरुआत से ठीक दो दिन पहले लगी है।

रोमानिया में दुष्कर्म, मानव तस्करी के आरोपों का सामना कर रहे टेट बंधु अमेरिका के लिए रवाना

» बुखारेस्ट, भाषा।

यात्रा प्रतिबंधों को हटाए जाने के बाद रोमानिया में संगीन आरोपों का सामना कर रहे दो भाई एंड्रयू और टस्टिन टेट यहां से अमेरिका रवाना हो गए। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। इन भाइयों पर मानव तस्करी और महिलाओं का यौन शोषण करने के लिए आपराधिक गिरोह बनाने का आरोप है। यह स्पष्ट नहीं है कि किन शर्तों के तहत टेट बंधुओं को रोमानिया छोड़ने की अनुमति दी गई जो राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कट्टर समर्थक हैं। दोनों का सोशल मीडिया पर उनके लाखों फॉलोअर होने का दावा है। मीडिया में मामले की चर्चा के लिए अधिकृत न होने की वजह से गृह मंत्रालय के एक अधिकारी ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर कहा कि यह निर्णय अभियोजकों के विवेक पर निर्भर है।अमेरिका और ब्रिटेन की दोहरी नागरिकता रखने वाले 38 वर्षीय एंड्रयू टेट और 36 वर्षीय टस्टिन टेट को 2022 के अंत में रोमानिया की राजधानी के पास दो रोमानियाई महिलाओं के साथ गिरफ्तार किया गया था।

रोमानियाई अभियोजकों ने पिछले साल औपचारिक रूप से चारों पर आरोप लगाए थे। अप्रैल में, बुखारेस्ट ट्रिब्यूनल ने फैसला सुनाया कि मुकदमा शुरू हो सकता है, लेकिन तारीख तय नहीं की। चारों ने सभी आरोपों से इनकार किया था। भाइयों का प्रस्थान ऐसे समय में हुआ है जब रोमानिया के विदेश मंत्री एमिल हुरजेनु ने इस महीने कहा था कि वर्तमान ट्रंप प्रशासन के तहत एक अमेरिकी अधिकारी ने म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में रोमानिया में टेट बंधुओं के कानूनी मामले में रुचि व्यक्त की थी। मंत्री ने जोर देकर कहा कि यह दबाव का मामला नहीं है। दिसंबर में बुखारेस्ट की एक अदालत ने फैसला सुनाया कि टेट बंधुओं और दो रोमानियाई महिलाओं के खिलाफ मामला अभियोजन पक्ष की ओर से कई कानूनी और प्रक्रियात्मक अनियमितताओं के कारण सुनवाई के लिए नहीं जा सकता।

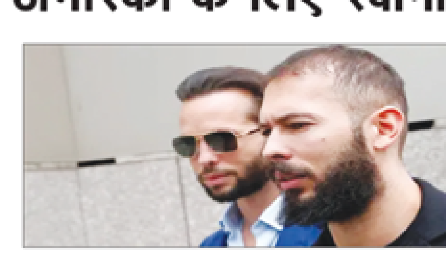

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,